INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

2022
LATEST EDITION

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

रेलवे ग्रुप - D

HANDWRITTEN NOTES

[भाग -3]

सामान्य ज्ञान (G.K.) + करंट अफेयर्स

LATEST EDITION

इतिहास और संस्कृति (भारत के सन्दर्भ में)

• प्राचीन भारत का इतिहास

1. सिन्धु घाटी सभ्यता
2. वैदिक काल
3. बौध्द धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म
4. महाजनपद काल
5. मौर्य काल
6. कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश
7. गुप्त काल साम्राज्य

• मध्यकालीन भारत

1. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण
2. दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश
3. भक्ति एवं सूफी आंदोलन
4. बहमनी एवं विजय नगर साम्राज्य
5. मुग़ल साम्राज्य (1526 – 1707)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• आधुनिक भारत का इतिहास

1. यूरोपीय कम्पनियों का आगमन
2. मराठा साम्राज्य
3. अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ
4. 1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन
5. भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन
6. गाँधी युग और असहयोग आंदोलन
7. क्रांतिकारी आंदोलन
8. संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय
9. भारतीय चित्रकला
10. भारतीय नृत्य कलाएँ
11. मुगलकालीन स्थापत्य कला

• अर्थशास्त्र

1. अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ
2. राष्ट्रीय आय और उत्पाद
3. मुद्रा एवं बैंकिंग
4. बजट एवं बजट निर्माण
5. वस्तु एवं सेवा कर

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

6. केंद्र सरकार की योजनाएँ

7. उद्योग

8. गरीबी एवं बेरोजगारी

9. अंतर्राष्ट्रीय संगठन

- **संविधान**

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

2. संविधान सभा

3. भारतीय नागरिकता

4. नीति निदेशक तत्व

5. राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति

6. भारतीय संसद

7. प्रधानमंत्री एवं मंत्री परिषद्

8. उच्चतम न्यायालय

9. राज्य कार्यपालिका

10. मुख्यमंत्री

11. निर्वाचन आयोग

12. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

13. नीति आयोग

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

14. केन्द्रीय सतर्कता आयोग

15. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

16. पंचायती राज

17. संविधान संशोधन

- **भारत का भूगोल**

1. सामान्य परिचय

2. भौतिक विभाजन

3. नदियाँ एवं झीलें

4. जलवायु

5. कृषि एवं पशुपालन

6. मृदा / मिट्टी

7. प्राकृतिक वनस्पतियाँ

8. प्रमुख खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

9. भारतीय उद्योग

10. परिवहन तंत्र

11. अन्य महत्वपूर्ण वन लाइनर तथ्य

- **विविध**

- प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- *महत्वपूर्ण पुस्तकें एवं उनके लेखक*
- *पुरुस्कार एवं सम्मान*
- *भारत में प्रथम*
- *विश्व में सबसे बड़ा एवं छोटा*
- *भारत में प्रथम महिला*
- *खेल, अंतर्राष्ट्रीय संगठन*
- *अविष्कार एवं अविष्कारक इत्यादि*

- ***करंट अफेयर्स (6 माह की pdf)***

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट -

प्रिय छात्रों, Infusion Notes के "रेलवे ग्रुप - D" के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8233195718, 9694804063) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ या complete Course की पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

इतिहास और संस्कृति (भारत के सन्दर्भ में)

प्राचीन भारत का इतिहास

अध्याय – I

सिन्धु घाटी सभ्यता

- यह दक्षिण एशिया की प्रथम नगरीय सभ्यता थी ।
- इस सभ्यता को सबसे पहले हड़प्पा सभ्यता नाम दिया गया ।
- सबसे पहले 1921 में हड़प्पा नामक स्थल की खोज दयाराम साहनी द्वारा की गई थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता को अन्य नामों से भी जानतें हैं ।
- सैंधव सभ्यता- जॉन मार्शल के द्वारा कहा गया
- सिन्धु सभ्यता - मार्टियर व्हीलर के द्वारा कहा गया ।
- वृहतर सिन्धु सभ्यता – ए. आर-मुगल के द्वारा कहा।
- सरस्वती सभ्यता भी कहा गया ।
- मेलूहा सभ्यता भी कहा गया ।
- कांस्यकालीन सभ्यता भी कहा गया ।
- यह सभ्यता मिश्र एवं मेंसोपोटामिया सभ्यताओं के समकालीन थी।
- इस सभ्यता का सर्वाधिक फैलाव घग्घर हाकरा नदी के किनारे हैं। अतः इसे सिन्धु सरस्वती सभ्यता भी कहते हैं ।
- 1902 में लार्ड कर्जन ने जॉन मार्शल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक बनाया।
- जॉन मार्शल को हड़प्पा व मोहनजोदड़ों की खुदाई का प्रभार सौंपा गया।
- 1921 में जॉन मार्शल के निर्देशन पर दयाराम साहनी ने हड़प्पा की खोज की।
- 1922 में राखलदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ों की खोज की।
- हड़प्पा नामक पुरास्थल सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बद्ध है ।

FREE SAMPLE

- 20 सित० 1924 को जॉन मार्शल ने द इलस्ट्रेटेड लन्दन न्यूज' के माध्यम से इस सभ्यता की खोज की घोषणा की।

सिन्धु सभ्यता की प्रजातियां –

- प्रोटो-आस्ट्रेलायड - सबसे पहले आयी
- भूमध्यसागरीय - मोहनजोदड़ो की कुल जनसंख्या में सर्वाधिक
- मंगोलियन – मोहनजोदड़ो से प्राप्त पुजारी की मूर्ति इसी प्रजाति की है।
- अल्पाइन प्रजाति।

सिन्धु सभ्यता की तिथि

- कार्बन 14 (C^{14}) - 2500 से 1750 ई.पू.
- ह्विलेर - 2500-1700 ई.पू.
- मार्शल - 3250-2750 ई.पू.

इस सभ्यता का विस्तार

- इस सभ्यता का विस्तार पाकिस्तान और भारत में ही मिलता है।

पाकिस्तान में सिन्धु सभ्यता के स्थल

- सुत्कांगेडोर
- सोत्काकोह
- बालाकोट
- डाबर कोट

सुत्कांगेडोर- इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल है जो दाश्क नदी के किनारे अवस्थित है। इसकी खोज आरेल स्टाइन ने की थी।

- सुत्कांगेडोर को हड़प्पा के व्यापार का चौराहा भी कहते हैं।

भारत में सिन्धु सभ्यता के स्थल,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***हरियाणा-*** *राखीगढ़ी, सिसवल कुणाल, बणावली, मितायल, बालू*
- ***पंजाब –*** *कोटलानिहंग खान चक्र 86 बाड़ा, संघोल, टेर माजरा*

  रोपड़ (रूपनगर) - स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद खोजा गया पहला स्थल
- ***कश्मीर*** *- माण्डा*

  चिनाब नदी के किनारे

  सभ्यता का उत्तरी स्थल
- ***राजस्थान*** *- कालीबंगा, बालाथल*

  तरखान वाला डेरा
- ***उत्तर प्रदेश****- आलमगीरपुर*

  सभ्यता का पूर्वी स्थल

  - माण्डी

  - बड़गाँव

  - हलास

  - सनौली
- ***गुजरात***

  धौलावीरा, सुरकोटड़ा, देसलपुर रंगपुर, लोथल, रोजदिख्वी,तेलोद,नगवाड़ा,कुन्तासी,शिकारपुर, नागेश्वर ,मेंघम प्रभासपाटन भोगन्नार
- ***महाराष्ट्र****- दैमाबाद*

सभ्यता की दक्षिणतम सीमा

फैलाव- त्रिभुजाकार

क्षेत्रफल- 1299600 वर्ग किलों मीटर

इस सभ्यता की महत्वपूर्ण बातें -

- *स्वतन्त्रता के बाद सर्वाधिक स्थल गुजरात में खोजे गये हैं।*
- *अल्लाहदीनो एवं मोहनजोदड़ो से सोने की वस्तुएं भारी संख्या में मिली हैं।*
- *जुते हुए खेत के साक्ष्य कालीबंगा से मिले हैं।*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- चन्हुदड़ो लोथल एवं बगसरा से मनकें बनाने की कार्यशाला मिली हैं।
- कालीबंगा तथा पिराक (बलूचिस्तान) से एकसाथ दो फसल उगाने के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- लोथल एवं कालीबंगा से युग्म शवाधान के साक्ष्य प्राप्त हुए
- लोथल कालीबंगा, संघोला, बणावली आमरी नागेश्वर, बगाड़ एवं राखीगढ़ी से यज्ञवेदी का साक्ष्य मिलता हैं।
- कालीबंगा एवं बणावली की यज्ञवेदी सामुदायिक महत्त्व की थी।
- ऋग्वेद में हड़प्पा सभ्यता को हरियूपिया कहा गया हैं।
- रहमानदेरी प्राचीनतम नगर हैं जहाँ ग्रिड सड़कों एवं निवासों की व्यवस्था हुई।
- अभी तक सिन्धु सभ्यता के 2800 से अधिक स्थलों की खोज हो चुकी हैं।
- सिन्धु सभ्यता के 7 नगर
  - हड़प्पा
  - बनावली
  - मोहनजोदड़ो
  - धौलावीरा
  - चन्हुदड़ो
  - लोथल
  - कालीबंगा

प्रमुख स्थल एवं विशेषताएँ

- **<u>हड़प्पा</u>**

  रावी नदी के किनारे पर स्थित हैं।

  दयाराम साहनी ने खोजा। खोज- वर्ष 1921 में

  उत्खनन-

- 1921-24 व 1924-25 में दयाराम साहनी द्वारा।
- 1926-27 से 1933-34 तक माधव स्वरूप वत्स द्वारा

- 1946 में मार्टीमिर ह्वीलर द्वारा
- इसे 'तोरण द्वार का नगर तथा 'अर्द्ध औद्योगिक नगर' कहा जाता है।
- पिगट ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को इस सभ्यता की जुड़वा राजधानी कहा है। इन दोनों के बीच की दूरी 640 km.
- 1826 में चार्ल्स मैसन् ने यहाँ के एक टीले का उल्लेख किया, बाद में उसका नाम ह्वीलर ने MOUND-AB दिया।
- हड़प्पा के अन्य टीले का नाम MOUND-F है ।
- हड़प्पा से प्राप्त कब्रिस्तान को R-37 नाम दिया ।
- भारत में चाँदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा सभ्यता से मिलते हैं ।
- यहाँ से प्राप्त समाधि को HR नाम दिया
- हड़प्पा के अवशेषों में दुर्ग, रक्षा प्राचीन निवास गृह चबूतरा, अन्नागार तथा ताम्बे की मानव आकृति महत्त्वपूर्ण हैं ।

<u>मोहनजोदड़ो</u>

- सिन्धु नदी के तट पर मोहनजोदड़ो की खोज सन् 1922 में राखलदास बनर्जी ने की थी। उत्खनन - राखलदास बनर्जी (1922-27)

➢ मार्शल
➢ जे.एच. मैके
➢ जे.एफ. डेल्स

- मोहनजोदड़ो का नगर कच्ची ईटों के चबूतरे पर निर्मित था।
- मोहनजोदड़ो सिन्धी भाषा का शब्द, अर्थ- मृतकों का टीला मोहनजोदड़ो को स्तूपों का शहर भी कहा जाता है।
- बताया जाता है कि यह शहर बाढ़ के कारण सात बार उजड़ा एवं बसा।
- यहाँ से यूनीकॉर्न प्रतीक वाले चाँदी के दो सिक्के मिले हैं ।
- वस्त्र निर्माण का प्राचीन साक्ष्य यहाँ से मिलता है। कपास के प्रमाण - मेंहरगढ़
- सुमेरियन नाव वाली मुहर यहाँ से मिली है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत संरचना यहाँ से प्राप्त अन्नागार है। (राजकीय भण्डारागार)
- यहाँ से एक 20 खम्भों वाला सभा भवन मिला है। मैके ने इसे 'बाजार' कहा है।
- बहुमंजिली इमारतों के साक्ष्य, पुरोहित आवास, पुरोहितों का विद्यालय, पुरोहित राजा की मूर्ति, कुम्भकारों की बस्ती के प्रमाण भी मोहनजोदड़ो से मिले हैं।
- मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ मृतकों का टीला है।
- मूर्ति पूजा का आरम्भ पूर्व आर्य काल से माना जाता है।
- बड़ी संख्या में कुओं की प्राप्ति ।
- 8 कक्षों वाला विशाल स्नानागार भी यहीं से प्राप्त हुआ हैं।

कालीबंगा-

कालीबंगा की खोज अमलानन्द घोष द्वारा गंगानगर में की.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय - 3

बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म,

- **बौद्ध धर्म**

उदय के कारण

- छठी ई.पू. में वैदिक संस्कृति कर्मकाण्डों व आडम्बरों से ग्रसित हो गई।
- मध्य गंगा घाटी में इसी समय 62 सम्प्रदायों का उदय हुआ । उनमें जैन और बौद्ध सम्प्रदाय प्रमुख थी ।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे ।
  सिद्धार्थ-बचपन का नाम - सिद्धि प्राप्त करने के लिए जन्म लेने वाला ।
- जन्म 563 ई.पू. -कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था । (नेपाल)
- कुल- शाक्य (क्षत्रिय कुल)
- बुद्ध की माता - महामाया थी । उनकि मृत्यु के बाद पालन पोषण महाप्रजापति गौतमी ने किया था ।
- पिता - शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे।
- बौद्धों की रामायण के नाम से प्रसिद्ध बुद्धचरित के रचनाकार अश्वघोष हैं ।
- 16 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध का विवाह- यशोधरा से हुआ इनके पुत्र का नाम राहुल था।

महाभिनिष्क्रमण

- 29 वर्ष की आयु में सांसारिक समस्याओं से व्यथित होकर गृहस्थ जीवन का त्याग कर दिया था ।

- अनोमा नदी के तट पर सिर मुण्डन
- काषाय वस्त्र धारण किये ।
- प्रथम गुरु आलार कलाम थे ।
- सांख्य दर्शन के आचार्य
- बाद में उरुवेला (बोधगया) प्रस्थान
- यहाँ पांच साधक मिले ।
- इनमें कौण्डिय प्रमुख थे ।

ज्ञान प्राप्ति –

- 35 वर्ष की आयु में – बोध गया में ज्ञान की प्राप्ति हुई ।
- वैशाख पूर्णिमा को पीपल के वृक्ष के नीचे
  निरंजना नदी (पुनपुन) के तट पर ज्ञान की प्राप्ति हुई ।
- इसी दिन से गौतम बुद्ध तथागत कहलाये तथा गौतम बुद्ध नाम भी यहीं से हुआ। वह स्थान बोधगया कहलाया । जिसने सत्य को प्राप्त कर लिया।

धर्मचक्र प्रवर्तन-

- बुद्ध ने प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपतनम) में दिया जिसे बौद्धग्रंथों में धर्मचक्रप्रवर्तन कहलाया ।
- बोधगया से सारनाथ आये
- प्रथम उपदेश दिया-5 ब्राहमण सन्यासियों को
  मागधी भाषा में ।
- गौतम बुद्ध का बौद्ध संघ में प्रवेश हुआ ।
- सर्वप्रथम अनुयायी – तपस्स जाट शुद्र कालिक
- प्रिय शिष्य- आनन्द
  बौद्ध धर्म की प्रथम महिला भिक्षुणी - गौतमी (बुद्ध की मौसी)

FREE SAMPLE

अन्तिम उपदेश

- कुशीनारा में सुभच्छ को दिया
- हिरण्यवती नदी तट पर

महापरिनिर्वाण (मृत्यु)

- कुशीनारा में 483 ई.पू.
- 80 वर्ष की आयु में
- बुद्ध के अवशेष 8 भागों में डाले गये जहाँ स्तूप बनाये गये।

वैशाख पूर्णिमा का महत्व

- वैशाख पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा भी कहते हैं।
- गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति
- महापरिनिर्वाण - वैशाख पूर्णिमा को
  अपवाद - महाभिनिष्क्रमण
- गौतम बुद्ध में 32 महापुरुषों के लक्षण बताये गये हैं।

बुद्ध के प्रमुख वचन

जीवन कष्टों से भरा.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 7

गुप्त काल साम्राज्य

- मौर्य वंश के पतन के पश्चात् नष्ट हुई राजनीतिक एकता को पुनः स्थापित करने का श्रेय गुप्त वंश को है।

गुप्त वंश की उत्पत्ति

- चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्त ने पूना अभिलेख में अपने वंश को स्पष्टतः धारण गोत्रीय बताया हैं. अग्रवालों के ।8 गोत्र में से एक गोत्र धारण हैं.
- गुप्त वैश्यों की उपाधि हैं। आज भी धार्मिक कर्म व संकल्प करते हुए वैश्य पुरोहित नाम व गोत्र के साथ गुप्त उपनाम का उल्लेख करते हैं।
- गुप्त शासकों के नाम श्री, चन्द्र, समुद्र, स्कन्द आदि थे जबकि गुप्त उनका उपनाम था। जो की उनके वर्ण व जाति को उद्घोषित करता है।
- गुप्त वंश के शासक अग्रवाल थे। प्रख्यात इतिहासकार राहुल संस्क्रतायन ने भी गुप्त वंश को अग्रवाल वैश्य बताया है।
- अग्रवालों की कुलदेवी माता लक्ष्मी है। गुप्त सम्राटों की कुलदेवी भी माता लक्ष्मी है।
- गुप्त वंश के समय में भारत सोने की चिड़ियां कहलाया था।

गुप्त वंश के शासक

श्रीगुप्त (240 ई. -280 ई.)

- गुप्त साम्राज्य का उदय तीसरी शताब्दी के अंत में प्रयाग के निकट कौशाम्बी में हुआ गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था।

घटोत्कच (320)

- गुप्त वंश के शासक श्रीगुप्त के पश्चात् उसका पुत्र घटोत्कच राजगद्दी पर बैठा। इसने 280 ई. से 320 ई. तक शासन किया।
- इसने महाराजा की उपाधि धारण की थी। उत्पन्न होते समय उसके सिर पर केश (उत्कच) न होने के कारण उसका नाम घटोत्कच रखा गया।

चंद्रगुप्त प्रथम (320-335 ई.)

- अपने पिता घटोत्कच के बाद सन् 320 में चन्द्रगुप्त प्रथम राजा बना। चन्द्रगुप्त, गुप्त वंशावली में पहला स्वतन्त्र शासक था।
- इसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी ।
- बाद में लिच्छवि राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया और अपने साम्राज्य में सम्मिलित कर लिया।

समुद्रगुप्त (335 -375)

- चन्द्रगुप्त प्रथम के बाद 335 ई. में उसका तथा कुमारदेवी का पुत्र **समुद्रगुप्त** राजगद्दी पर बैठा।
- सम्पूर्ण प्राचीन भारतीय इतिहास में महानतम शासकों के रूप में वह नामित किया जाता है। इन्हें परक्रमांक कहा गया है।

समुद्रगुप्त का शासनकाल राजनैतिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से गुप्त साम्राज्य के उत्कर्ष का काल माना.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

मध्यकालीन भारत

अध्याय -2

दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश

- **दिल्ली सल्तनत**

दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश निम्नलिखित थे -

- 1.गुलाम वंश / मामलुक वंश (1206-1290)
- 2.खिलजी वंश (1290-1320)
- 3.तुगलक वंश (1320-1414)
- 4.सैय्यद वंश (1414-1451)
- 5.लोदी वंश (1451-1526)
- इनमें सें चार वंश मूलतः तुर्क थे जबकि अंतिम वंश लोदी वंश अफगान था।

गुलाम वंश के शासक -

कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210 ई .तक)

- भारत में तुर्की राज्य /दिल्ली सल्तनत /मुस्लिम राज्य की स्थापना करने वाला शासक ऐबक ही था।
- गुलाम वंश की स्थापना कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1206 ई. में की थी। इसने अपनी राजधानी लाहौर में बनाई।
- ऐबक का अर्थ होता है चंद्रमुखी।
- ऐबक के राजवंश को कुतुबी राजवंश के नाम से जन जाता है।
- मुहम्मद गौरी ने ऐबक को अमीर-ए-आखूर अस्तबलों का प्रधान के पद पर नियुक्त किया।
- 1192 ई .के तराईन के युद्ध में ऐबक ने गौरी की सहायता की।
- तराईन के द्वितीय युद्ध के बाद गौरी ने ऐबक को अपने मुख्य भारतीय प्रदेशों का सूबेदार नियुक्त किया।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- जून 1206 में राज्याभिषेक करवाया तथा सुल्तान की बजाय मलिक/सिपहसालार की उपाधि धारण की यह उपाधि इसे मुहम्मद गौरी ने दी थी।
- इसने अपने नाम के सिक्के भी नहीं चलाये एवं अपने नाम का खुतबा पढ़वाया)खुतबा एक रचना होती थी जो मौलवियों से सुल्तान शुक्रवार की रात को नजदीक की मस्जिद में अपनी प्रंशसा में पढ़वाते थे।(खुतबा शासक की संप्रभूता का सूचक होता था।
- ऐबक ने प्रारंभ इंद्रप्रस्थ दिल्ली के पास को सैनिक मुख्यालय बनाया तथा कुछ समय बाद यल्दौज तथा कुबाजा (मुहम्मद गौरी के दास) के संघर्ष को देखते हुए लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- ऐबक ने यल्दौज पर आक्रमण कर गजनी पर अधिकार कर लिया, लेकिन गजनी की जनता यल्दौज के प्रति वफादार थी तथा 40 दिनों के बाद ऐबक ने गजनी छोड़ दिया।

ऐबक की मृत्यु –

- 1210 ई .में लाहौर में चौगान पोलो खेलते समय घोड़े से गिर जाने के कारण ऐबक की मौत हो गई। इसका मकबरा लाहौर में ही बनाया गया है।
- भारत में तुर्की राज्य का वास्तविक संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को मान जाता है।
- भारत में मुस्लिम राज्य का संस्थापक मुहम्मद गौरी को माना जाता है। स्वतंत्र मुस्लिम राज्य का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को माना जाता है।
- कुत्तुबुद्दीन ऐबक के दरबार में हसन् निजामी एवं फख-ए-मुदब्बिर आदि प्रसिद्ध विद्वान थे।
- 'कुव्वत-उल-इस्लाम -''अढ़ाई दिन का झोंपड़ा बनवाया। तथा 'कुतुबमीनार 'का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू करवाया और इल्तुतमिश ने पूरा किया। कुतुबमीनार शेख ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में बनवाया गया है।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को अपनी उदारता एवं दानी प्रवृति के कारण लाखबख्श (लाखों का दानी)कहा गया है।
- इतिहासकार मिन्हाज ने कुतुबुद्दीन ऐबक को उसकी दानशीलता के कारण हातिम द्वितीय की संज्ञा दी है।

- प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने वाला ऐबक का सहायक सेनानायक बख्तियार खिलजी था।

इल्तुतमिश (1210-1236 ई)

- मलिक शम्सुद्दीन इल्तुतमिश ऐबक का दामाद था, न कि उसका वंशज। इल्तुतमिश का शाब्दिक अर्थ राज्य का रक्षक स्वामी होता हैं।। उसका समानार्थक शब्द आलमगीर या जहाँगीर विश्व विजेता भी होता हैं।
- ऐबक की मृत्यु के समय इल्तुतमिश बंदायूँ यू.पी. का इक्तेदार था।
- इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक तथा प्रथम वैधानिक सुल्तान था। जिसने दिल्ली को अपने राजधानी बनाया।
- इसने 1229 ई .में बगदाद के खलीफा अल-मुंतसिर-बिल्लाह से सुल्तान की उपाधि व खिलअत इजाजत प्राप्त की।
- इल्तुतमिश ने अपने नाम का खुतबा पढ़वाया तथा मानक सिक्कें टंका चलाया था। टंका चांदी का होता था)। टंका =48 जीतल(
- इल्तुतमिश यह पहला मुस्लिम शासक था जिसने सिक्कों पर टकसाल का नाम अंकित करवाया था।
- शहरों में इल्तुतमिश ने न्याय के लिये काजी, अमीर-ए-दाद जैसे अधिकारी नियुक्त किये।
- इल्तुतमिश ने अपने 40 तुर्की सरदारों को मिलाकर तुर्कान-ए-चहलगामी नामक प्रशासनिक संस्था की स्थापना की थी।

इक्ता प्रणाली का संस्थापक -

- इल्तुतमिश ने प्रशासन में इक्ता प्रथा को भी स्थापित किया। भारत में इक्ता प्रणाली का संस्थापक इल्तुतमिश ही था। इक्ता का अर्थ है – धन के स्थान पर तनख्वाह के रूप में भूमि प्रदान करना।
- इसने दोआब गंगा-यमुना क्षेत्र में हिन्दुओं की शक्ति तोड़ने के लिए शम्सीतुर्की उच्च वर्ग सरदारों को ग्रामीण क्षेत्र में इक्तायें जागीर बांटी।

- 1226 में रणथंभौर पर आक्रमण
- 1227 में नागौर पर आक्रमण
- 1232 में मालवा पर आक्रमण - इस अभियान के दौरान इल्तुतमिश उज्जैन से विक्रमादित्य की मूर्ति उठाकर लाया था।
- 1235 में ग्वालियर का अभियान -इस अभियान के दौरान इल्तुतमिश ने अपने पुत्रों की बजाय पुत्री रजिया को उत्तराधिकारी घोषित किया।
- 1236 ई. में बामियान अफगानिस्तान पर आक्रमण। यह इल्तुतमिश का अंतिम अभियान था।
- इल्तुतमिश पहला तुर्क सुल्तान था जिसने शुद्ध अरबी सिक्के चलाये ।
- इल्तुतमिश के दरबार में मिन्हाज-उस-सिराज मलिक दाजुद्दीन को संरक्षण मिला ।
- अजमेर की मस्जिद का निर्माण इल्तुतमिश ने करवाया था ।
- इल्तुतमिश से सम्बन्धित 'हश्म-ए-कल्ब 'या कल्ब-ए-सुल्तानी सुल्तान द्वारा स्थापित सेना को कहा जाता था ।
- इल्तुतमिश को भारत में गुम्बद निर्माण का पिता कह जाता है उसने सुल्तानगढ़ी का निर्माण करवाया ।

निर्माण कार्य-

- स्थापत्य कला के अन्तर्गत इल्तुतमिश ने कुतुबुद्दीन ऐबक के निर्माण कार्य कुतुबमीनार को पूरा करवाया। भारत में सम्भवतः पहला मकबरा निर्मित करवाने का श्रेय भी इल्तुतमिश को दिया जाता हैं।
- इल्तुतमिश ने बदायूं की जामा मस्जिद एवं नागौर में अतारकिन के दरवाजा का निर्माण करवाया। उसने दिल्ली में एक विद्यालय की स्थापना की।

मृत्यु -

बयाना पर आक्रमण करने के लिए जाते समय मार्ग में इल्तुतमिश बीमार हो गया। इसके बाद इल्तुतमिश की बीमारी बढ़ती.....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय -3

भक्ति एवं सूफी आंदोलन

भक्ति आंदोलन -

- भक्ति आंदोलन का आरंभ दक्षिण भारत में सातवीं से बारहवीं शताब्दी के मध्य हुआ, जिसका उद्देश्य नयनार तथा अलवार संतों के बीच मतभेद को समाप्त करना था। इस आंदोलन के प्रथम प्रचारक शंकराचार्य माने जाते हैं।
- अलवार , जिसका शाब्दिक अर्थ है" जो लोग ईश्वर में विसर्जित है"वैष्णव कवि-संत थे जिन्होंने विष्णु की प्रशंसा की थी क्योंकि वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर गए थे।
- भक्ति आंदोलन का प्रचार अलवार तथा नयनार संतों द्वारा किया गया था ।

भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत

रामानुज (12 वीं शताब्दी)

- रामानुज 12 वीं शताब्दी के महान संत थे । भक्ति आंदोलन के प्रारंभिक प्रतिपादक महान वैष्णव गुरु रामानुज थे । उनका जन्म तमिलनाडु राज्य में पेरंबदूर में हुआ था। वे सगुण ईश्वर में विश्वास करते थे।
- रामानुज ने मनुष्य की समानता पर बल दिया और जाति व्यवस्था की भर्त्सना की। रामानुज के क्रिया कलाप का मुख्य केन्द्र काँची और श्रीरंगपट्टम था। किन्तु इनके उपदेशों के प्रति चोल प्रशासन के विरोध के कारण यह स्थान छोड़ना पड़ा।
- रामानुज ने विशिष्टाद्वैत दर्शन का प्रतिपादन किया। भक्ति आंदोलन के दूसरे नायक रामानुज के समकालीन निम्बार्क थे। वे द्वैतवाद दर्शन में विश्वास करते थे तथा ईश्वर के प्रति समर्पण पर बल देते थे।
- रामानुज के अनुयायियों को वैष्णव कहा जाता था ।

विशिष्टा द्वैत दर्शन

FREE SAMPLE

- रामानुजाचार्य के दर्शन में परम सता के सम्बन्ध में तीन स्तर माने गये हैं- ब्रह्म, चित् और अचित्।
- प्रतिपादन किया। भक्ति आंदोलन के दूसरे नायक रामानुज के समकालीन निम्बार्क थे। वे द्वैताद्वैत दर्शन में विश्वास करते थे तथा ईश्वर के प्रति समर्पण पर बल देते थे।

माधवाचार्य (13 वीं शताब्दी)

- माधवाचार्य ने शंकर और रामानुज दोनों के मतों का विरोध किया । माधवाचार्य का विश्वास द्वैतवाद में था
- वे आत्मा व परमात्मा को पृथक-2 मानते थे। वे लक्ष्मी नारायण के उपासक थे ।

रामानंद (15वीं.शताब्दी)

- रामानंद उत्तरी भारत के पहले महान भक्त संत थे । वे रामानुज के शिष्य थे ।

रामानंद ने दक्षिण और उत्तर भारत के भक्ति आंदोलन के बीच सेतु का काम.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 5

मुगल साम्राज्य (1526-1707)

• बाबर (1526 ई.-1530)

- पानीपत के मैदान में 21 अप्रैल, 1526 को इब्राहिम लोदी और चुगताई तुर्क जलालुद्दीन बाबर के बीच युद्ध लड़ा गया।
- लोदी वंश के अंतिम शासक इब्राहिम लोदी को पराजित कर खानाबदोश बाबर ने तीन शताब्दियों से सत्तारूढ़ तुर्क अफगानी सुल्तानों की- दिल्ली सल्तनत का तख्ता पलट कर दिया।
- बाबर ने मुग़ल साम्राज्य और मुग़ल सल्तनत की नींव रखी ।
- मुगल वंश का संस्थापक बाबर था, अधिकतर मुगल शासक तुर्क और सुन्नी मुसलमान थे मुगल शासन 17 वीं शताब्दी के आखिर में और 18 वीं शताब्दी की शुरुआत तक चला और 19 वीं शताब्दी के मध्य में समाप्त हुआ।
- बाबर का जन्म छोटी सी रियासत 'फरगना में 1483 ई. में हुआ था। जो फ़िलहाल उज़्बेकिस्तान का हिस्सा है।
- बाबर अपने पिता की मृत्यु के पश्चात् मात्र 11 वर्ष की आयु में ही फरगना का शासक बन गया था। बाबर को भारत आने का निमंत्रण पंजाब के सूबेदार दौलत खाँ लोदी और इब्राहिम लोदी के चाचा आलम खाँ लोदी ने भेजा था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल, 1526 ई. को इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच हुआ. जिसमें बाबर की जीत हुई
- खनवा का युद्ध 17 मार्च 1527 ई में राणा सांगा और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।
- चंदेरी का युद्ध 29 मार्च 1528 ई में मेंदनी राय और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।

- घाघरा का युद्ध 6 मई 1529 ई में अफगानो और बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई ।

नोट -पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने पहली बार तुलुगमा युद्ध नीति का इस्तेमाल किया था ।

- उस्ताद अली एवं मुस्तफा बाबर के दो प्रसिद्ध निशानेबाज थे । जिसने पानीपत के प्रथम युद्ध में भाग लिया था ।
- पानीपत का प्रथम युद्ध बाबर का भारत पर उसके द्वारा किया गया पांचवा आक्रमण था, जिसमें उसने इब्राहिम लोदी को हराकर विजय प्राप्त की थी और मुग़ल साम्राज्य की स्थापना की थी।
- बाबर की विजय का मुख्य कारण उसका तोपखाना और कुशल सेना प्रतिनिधित्व था । भारत में तोप का सर्वप्रथम प्रयोग बाबर ने ही किया था ।
- पानीपत के इस प्रथम युद्ध में बाबर ने उज्बेकों की 'तुलगमा युद्ध पद्धति तथा तोपों को सजाने के लिये'उस्मानी विधि जिसे 'रूमी विधि' भी कहा जाता है, का प्रयोग किया था।
- पानीपत के युद्ध में विजय की खुशी में बाबर ने काबुल के प्रत्येक निवासी को एक चाँदी का सिक्का दान में दिया था। अपनी इसी उदारता के कारण बाबर को 'कलन्दर' भी कहा जाता था।
- बाबर ने दिल्ली सल्तनत के पतन के पश्चात् उनके शासकों को सुल्तान' कहे जाने की परम्परा को तोड़कर अपने आपको 'बादशाह' कहलवाना शुरू किया।
- पानीपत के युद्ध के बाद बाबर का दूसरा महत्वपूर्ण युद्ध राणा सांगा के विरुद्ध 17 मार्च, 1527 ई. में आगरा से 40 किमी दूर खानवा नामक स्थान पर हुआ था।
- खानवा विजय प्राप्त करने के पश्चात् बाबर ने गाज़ी की उपाधि धारण की थी। इस युद्ध के लिये अपने सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिये बाबर ने 'जिहाद' का नारा दिया था।
- खानवा के युद्ध में मुसलमानों पर लगने वाले कर तमगा की समाप्ति की घोषणा की थी, यह एक प्रकार का व्यापारिक कर था।

FREE SAMPLE

29 जनवरी, 1528 को बाबर ने चंदेरी के शासक मेंदिनी राय पर आक्रमण कर उसे पराजित किया था। यह विजय बाबर को.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

- **औरंगजेब (1658–1707 ई .)**

- औरंगजेब का जन्म 3 नवंबर 1618 को उज्जैन के निकट दोहन नामक स्थान पर हुआ था ।
- उत्तराधिकार के युद्ध में विजय होने के बाद औरंगजेब 21 जुलाई 1658 को मुग़ल साम्राज्य की गद्दी पर आसीन हुआ ।
- औरंगजेब ने 1661 ई. में मीर जुमला को बंगाल का सूबेदार नियुक्त किया जिसने कूच बिहार की राजधानी को अहोमो से जीत लिया।
- औरंगजेब के गुरु मीर मुहम्मद हकीम थे ।
- औरंगजेब सुन्नी धर्म को मनाता था उसे जिन्दा पीर कहा जाता था ।
- 1633 में मीर जुमला की मृत्यु के बाद औरंगजेब ने शाइस्ता खाँ को बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया।
- मुगल बादशाह औरंगजेब का राज्याभिषेक दो बार हुआ था ।
- औरंगजेब शाहजहाँ के काल में 1636 ई.से 1644 ई तक दक्षिण के सूबेदार के रुप में रहा । औरंगाबाद मुगलों की दक्षिण सूबे की राजधानी थी।
- शासक बनने के बाद औरंगजेब के दक्षिण में लड़े गए युद्धों को दो भागों में बाँटा जा सकता है - बीजापुर तथा गोलकुंडा के विरुद्ध युद्ध और मराठों के साथ युद्ध।

औरंगजेब ने 1665 ई. में राजा जयसिंह को बीजापुर शिवाजी का दमन करने के लिए.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण

विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय - 4

1857 की क्रांति से पूर्व के जन आंदोलन

राजनीतिक - धार्मिक आंदोलन

फकीर विद्रोह (1776-77)

- यह विद्रोह बंगाल में विचरणशील मुसलमान धार्मिक फकीरों द्वारा किया गया था।
- इस विद्रोह के नेता मजनू शाह ने अंगेजी सत्ता को चुनोती देते हुए जमीदारों और किसानों से धन इक्कठा करना आरम्भ कर दिया।
- मजनू शाह की मृत्यु के बाद चिराग अली शाह ने आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया।

सन्यासी विद्रोह (1770 - 1820)

- संन्यासी विद्रोह भारत की आज़ादी के लिए बंगाल में अंग्रेज़ हुकूमत के विरुद्ध किया गया एक प्रबल विद्रोह था।
- संन्यासियों में अधिकांश शंकराचार्य के अनुयायी थे।
- इतिहास प्रसिद्ध इस विद्रोह की स्पष्ट जानकारी बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्दमठ' में मिलती है।

पागलपंथी विद्रोह (1813 - 33)

- उत्तर पूर्वी भारत में प्रभावी पागलपंथी एक धार्मिक पंथ था।
- उत्तर पर्वी क्षेत्र में हिन्दू मुसलमान और गारो तथा जांग आदिवासी इस पंथ के समर्थक थे।
- इस क्षेत्र में अंग्रेजों द्वारा क्रियान्वित भू-राजस्व तथा प्रसासनिक व्यवस्था के कारण व्यापक असंतोष था।
- इस विद्रोह को 1833 ई. में दबा दिया गया।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

वहाँबी आंदोलन (1820 – 70)

- वहाँ बी आंदोलन मूलतः एक इस्लामिक सुधारवादी आंदोलन था। जिसने कालांतर में मुस्लिम समाज में व्याप्त अन्धविश्वास एवं कुरीतियों के उन्मूलन को अपना उद्देश्य बनाया।
- इस आंदोलन के संस्थापक अब्दुल वहाँ ब के नाम पर इसका नाम वहाँ बी आंदोलन पड़ा।
- सैय्यद अहमद बरेलवी ने भारत में इस आंदोलन को प्रेरणा प्रदान की

कूकाविद्रोह

- कूका विद्रोह की शुरुआत पंजाब में 1860-1870 ई. में हुई थी।
- पश्चिमी पंजाब में 'कूका विद्रोह' की शुरुआत लगभग 1840 ई. में 'भगत जवाहर मल' द्वारा की गयी थी।
- भगत जवाहर मल को 'सियान साहब' के नाम से भी जाना जाता था।
- 1872 ई. में इसके एक नेता 'रामसिंह' को रंगून निर्वासित कर दिया और आंदोलन पर नियन्त्रण पा लिया गया।

समोसी विद्रोह

- समोसी मराठा राज्य के अधीनस्थ कर्मचारी थे। अत्यधिक लगान वसूली के कारण 1822 में उन्होंने विद्रोह कर दिया।

गडकरी विद्रोह

- गडकरी विद्रोह अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ किया गया था।
- 1845 ई. में महाराष्ट्र में 'गड़करी जाति' के विस्थापित सैनिकों ने अंग्रेज़ों के विरुद्ध इस विद्रोह को अंजाम दिया।

सावंतवादी विद्रोह

- प्रवासीवादी विद्रोहः प्रवासीवादी विद्रोह भारतीयों द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ शुरू किया गया था।
- प्रवासीवादी विद्रोह 1844 में हुआ था।
- प्रवासीवादी विद्रोह का नेतृत्व मराठा सरदार फोंडावंत ने किया था।

मुंडा एवं हो विद्रोह (1820-22)

कोल विद्रोह (1831)

- 1831 में छोटा नागपुर में यह कोल विद्रोह हुआ
- इस विद्रोह का प्रमुख कारण कोल आदिवासियों की जमीन छीनकर मुस्लिम और सिख संप्रदाय के किसानों को दे दी इस विद्रोह में गंगा नारायण और बुद्धो भगत ने भूमिका निभाई
- यह विद्रोह मुख्य रूप से रांची हजारीबाग पलामू मानभूम और सिंह भूमि क्षेत्र में फैला ।

संथाल विद्रोह (1855)

- सन् 1855 ईस्वी में जमीदार और साहूकारों के अत्याचार और भूमि कर अधिकारियों के दमनात्मक व्यवहाँ र के प्रति सिद्धू एवं कान्हू के नेतृत्व में राजमहल एवं भागलपुर के संस्थान आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया ।

चुआर विद्रोह (1798)

- दुर्जन सिंह तथा जगन्नाथ के नेतृत्व में बंगाल के मिदनापुर जिलें में 1798 ईसवी में यह विद्रोह हुआ

इस विद्रोह का मुख्य कारण.....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 6

गाँधी युग और असहयोग आंदोलन

- 1916 ई. के लखनऊ अधिवेशन में एनीबेसेंट के सहयोग से कांग्रेस के उदारवादी और उग्रवादी एक हो गए।
- भारत में होमरूल आंदोलन एनीबेसेंट ने आरम्भ किया।
- महात्मा गाँधी ने पहली बार भूख हड़ताल अहमदाबाद मिल मजदूरों के हड़ताल (1918 ई.) के समर्थन में की थी।
- गाँधी जी ने 1918 ई. में गुजरात में कर नहीं आंदोलन चलाया। गाँधी जी ने इस कानून के विरुद्ध 6 अप्रैल 1919 ई. को देशव्यापी हड़ताल करवायी।
- दक्षिणी अफ्रीका से भारत आने के बाद गाँधी जी अपना प्रथम सत्याग्रह चम्पारण (बिहार) में किया।
- 1920 ई. के कांग्रेस के विशेष अधिवेशन की अध्यक्षता लाला लाजपत राय नी की थी जिसमें असहयोग के प्रस्ताव को रखा गया था।
- रौलेट एक्ट को बिना वकील ,बिना अपील, बिना दलील के कानून के नाम से जाना जाता है।
- लॉर्ड चेम्सफोर्ड के शासन काल में गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया था।
- भारत में असहयोग आंदोलन 1920 में शुरू हुआ था।
- रौलेट एक्ट पारित हुआ उस समय भारत के वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड थे।
- अनटू दिस लास्ट नामक पुस्तक के लेखक जॉन रस्किन हैं।
- गदर पार्टी के संस्थापक लाला हरदयाल थे।
- 5 फरवरी 1922 ई. को उत्तर प्रदेश के देवरिया जिलें के चौरी चौरा नामक स्थान पर असहयोग आंदोलन कारियों ने क्रोध में आकर थाने में आग लगा दी। जिससे एक थानेदार एवं 21 सिपाहियों की मृत्यु हो गयी। इस घटना से दुःखी होकर गाँधी जी 11 फरवरी 1922 ई. को असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- स्वामी श्रद्धानन्द ने रौलेट एक्ट के विरोध में लगान न देने के लिए आंदोलन चलने का विरोध किया।
- उड़ीसा के अकाल काल को ब्रिटिश काल के दौरान पड़े अकाल को प्रकोप का समुद्र कहा जाता है।
- 13 अप्रैल 1919 ई. को अमृतसर में जलियाँवाला बाग हत्या कांड हुआ। इस जनसभा में जनरल डायर ने अन्धाधुन्ध गोलियां चलवाई। इस हत्या कांड ने लगभग 1000 लोग मारे गए। इस हत्या कांड में हंसराज नामक भारतीय ने डायर को सहयोग दिया था।
- इस हत्या कांड के विरोध में महात्मा गाँधी ने केसर – ए - हिन्द की उपाधि, जमना लाल बजाज ने राय बहादुर , रवींद्रनाथ टैगोर ने सर ,(नाईटहुड) की उपाधि वापस लौटा दी।
- जलियाँवाला बाग हत्या कांड की जाच के लिए सरकार ने अक्टूबर , 1919 ई. में लॉर्ड हंटर की अध्यक्षता में एक कमेंटी का गठन किया। इसमें पांच अंग्रेज एवं तीन भारतीय (सर चिमन लाल सीता लवाड ,साहबजादा सुल्तान अहमद , एवं जगत नारायण)सदस्य थे।
- जनरल डायर की हत्या उधमसिंह ने लंदन में की थी।
- जलियाँवाला बाग कभी जल्ली नामक व्यक्ति की सम्पति थी।
- रौलेट एक्ट को काला कानून तथा आतंकवादी और अपराध कानून कहा गया है।
- रौलेट एक्ट को 18 मार्च 1919 को कानूनी रूप दिया गया।
- रौलेट एक्ट के खिलाफ प्रदर्शन ही महात्मा गाँधी का भारत में पहला राजनीतिक आंदोलन था। अर्थात् उनकि राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत थी।
- रौलेट एक्ट के अनुसार किसी भी संदेहास्पद व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाये गिरफ्तार किया जा सकता था। और उसके विरुद्ध न कोई अपील न कोई दलील और न कोई वकील किया जा सकता था। गाँधी जी ने इस कानून के के विरुद्ध 6 अप्रैल 1919 ई. को देशव्यापी सत्याग्रह की तारीख तय की
- "बाल गंगाधर तिलक ने कहा होमरूल मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है" और इसे मैं लेकर रहूँगा।

- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान भारतीय राजनीति का शांतिकाल प्रथम विश्वयुद्ध के काल को कहा जाता है।
- खिलाफत आंदोलन के सम्बन्ध में इंग्लैंड भेजे गए शिष्टमण्डल का नेतृत्व डा. अंसारी ने किया था। अंग्रेजों के विरुद्ध मुसलमानों का सहयोग व समर्थन करने के लिए गाँधी जी ने खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया था।

मुसलामनों ने अंग्रेजों की निति के विरुद्ध खिलाफत आंदोलन चलाया.....

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 7

क्रांतिकारी आंदोलन

उदय के कारण :

(i) नरमपंथी राजनीति अव्यवहाँ रिक एवं गरमपंथी)उग्रवादी (राजनीति असफल हो रही थी। ऐसे लोगों का बम और पिस्तौल की राजनीति विश्वास जगा।

(ii) सरकार की दमनात्मक कार्यवाही ने युवक, युवतियों को विद्रोही बनाया और वे 'बल को बल से रोकनें' के दर्शन में विश्वास करने लगे।

(iii) विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से क्रांतिकारी गतिविधियों को बढ़ावा मिला । जैसे युगान्तर बंदी जीवन, साध्य में लिखे गए लेख और गीतों से लोगों में व्यक्तिगत वीरता और बलिदान की भावना पैदा होती रही। बंदी जीवन की रचना शचिन्दनाथ सान्यालय ने की। इस पुस्तक को क्रांतिकारियों की बाइबिल कहा जाता हो ।

(iv)आयरलैंड के क्रांतिकारी एवं रूस के शून्यवादी जैसे क्रांतिकारी समूहों से प्रेरित होकर भारत में भी क्रांतिकारी आंदोलन को बढ़ावा मिला।

(v) समाजवादी विचारधारा के विकास ने भी क्रांतिकारी गतिविधियों को प्रेरित किया । वस्तुतः 1917 की रूसी साम्यवादी क्रांति की सफलता से प्रेरित होकर भारत में भी युवा वर्ग उत्साहित हुआ और क्रांति के माध्यम से अपने अधिकार प्राप्ति के लिए आगे बढ़ा।

(vi) गांधी के असहयोग आंदोलन की अचानक वापसी से युवा वर्ग को निराशा हुई। अब उसे ब्रिटिश शासन के विरोध का कोई विकल्प नजर नहीं आया। अतः एकबार फिर बम और पिस्तौल की राजनीति में लोगों का विश्वास जागा।

कार्यक्रम :

(i) अलोकप्रिय ब्रिटिश अधिकारियों की हत्या करना अर्थात् जिन ब्रिटिश अधिकारियों ने भारतीयों के प्रति दमनात्मक कार्यवाही की और दुर्व्यहार किया, उनकी हत्या करना।

(ii) बम बनाना एवं विदेशों से हथियार प्राप्त करना।

(ii) गुप्त समीतियों की स्थापना कर सशस्त्र कार्यवाही करना।

(iv) स्वदेशी डकैती डालना।

(v)क्रांतिकारी विचारों के प्रसार हेतु पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशनकरना। जैसे- वीरेन्द्र कुमार चटोपाध्याय ने'तलवार' नामक पत्र का संपादन किया ।

(vi) सैनिक शिक्षा और धार्मिक कार्यक्रम द्वारा लोगों में राष्ट्रवादी भावना पैदा करना और उन्हें क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए तैयार करना ।

प्रसार :

(I) देश में :

- सावरकर बंधुओं ने 1904 में मित्र मेला एवं 'अभिनव भारत' नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की। महाराष्ट्र में पहली क्रांतिकारी घटना 1897 में प्लेग कमिश्नर रैण्ड की गोली मारकर की गयी हत्या थी। वस्तुतः चापेकर बंधुओं ने)बालकृष्ण एवं दामोदर चापेकर (तिलक के पत्र'केसरी' में छपे लेख से प्रेरित होकर यह कार्य किया था।
- बंगाल में 1902 में अनुशीलन समिति की स्थापना हुई जिसमें 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'जतिन नॉथ' की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- बंगाल में 'बारीन्द्र कुमार घोष' एवं 'उपेन्द्रनाथ दत्त' ने 'युगांतर' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया। जिसमें कहा गया कि 'बल को बल द्वारा' ही रोका जा सकता है। भारत में निवास करने वाले 30 करोड़ लोगों को औपनिवेशिक शोषण को समाप्त करने के लिए अपने 60 करोड़ हाथों का उपयोग करना चाहिए।
- 1930 में बंगाल में विनय, बादल एवं दिनेश नामक क्रांतिकारियों ने अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी। इसी तरह सूर्यसेन)मास्टर दा (ने चटगांव शस्त्रागार पर नियंत्रण स्थापित किया ।
- भगत सिंह ने 1925 में 'भारत नौजवान सभा' की स्थापना की जिसने भारतीयों को समाजवादी विचारधारा के माध्यम से क्रान्ति की ओर प्रेरित किया।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- पंजाब में क्रांतिकारी विचारधारा के प्रसार में अजीत सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण थी। जब अजीत सिंह को पंजाब से निर्वासित किया गया तो वह फ्रांस पहुंचकर क्रांतिकारी विचारों का प्रचार करने लगे।
- दिल्ली में 1912 में वायसराय लार्ड हार्डिंग के काफिले पर बम फेंका गया। इस घटना में रास बिहारी बोस की भूमिका महत्वपूर्ण थी।
- संयुक्त प्रांत में 9 अगस्त 1925 में लखनऊ के पास काकोरी ट्रेन डकैती की गयी और सरकारी खजाने को लूटा गया। इस काकोरी षड्यंत्र मुकदमें के तहत राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिडी एवं अशफाक उल्ला खां को फांसी दे दी गयी। चन्द्रशेखर आजाद भी इस घटना में, शामिल थे किंतु वे फरार होने में सफल रहे ।

1928 में दिल्ली में.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये

राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 8

संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय

भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य / नर्तक

शास्त्रीय नृत्य	सम्बन्धित राज्य	प्रमुख नर्तक
भरतनाट्यम	तमिलनाडु	यामिनी कृष्णामूर्ति , टी बाला सरस्वती , रुक्मिणी देवी , सोनल मानसिंह , मृणालिनी साराभाई , वैजयन्ती माला , हेमामालिनी
कथकली	केरल	मृणालिनी साराभाई , गुरु शंकरन , नम्बूदरीपाद , शंकर कुरुप , के सी पणिक्कर
मोहिनीअट्टम	केरल	भारती शिवाजी , तंकमणि शांताराव
कुचिपुड़ी	आन्ध्र प्रदेश	यामिनी कृष्णमूर्ति , राधा रेड्डी , राजा रेड्डी , स्वप्न सुन्दरी
कत्थक	उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान	बिरजू महाराज , अच्छन महाराज , गोपीकृष्ण , सितारा देवी , रोशन कुमारी , उमा शर्मा
ओडिसी	ओडिशा	प्रोतिमा देवी , संयुक्ता पाणिग्रही , सोनल मानसिंह , केलुचरण महापात्र , माधवी मुदगल
मणिपुरी	मणिपुर	सूर्यमुखी देवी , गुरु विपिन सिंह

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

भारत के प्रमुख लोकनृत्य

राज्य	लोकनृत्य
असम	बिहू, खेलगोपाल , कलिगोपाल , बोई साजू , नटपूजा मीटू ।
पंजाब	कीकली , भाँगड़ा , गिद्दा
हिमाचल प्रदेश	जद्दा , नाटी , चम्बा , छपेली
हरियाणा	धमाल , खोरिया , फाग , डाहीकल
महाराष्ट्र	लेजिम , तमाशा , लावनी , कोली
जम्मू - कश्मीर	दमाली , हिकात , दण्डी नाच , राऊ , लडाखी
राजस्थान	गणगौर , झूमर , घूमर , झूलन लीला

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**"*

*के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

वास्तुकला शैलियाँ

शैली	विशेषता	नमूने
नागर शैली	चतुर्भुजाकार भवन	सूर्य मन्दिर (कोणार्क) , जगन्नाथ मन्दिर (पुरी) , शैली भवन कन्दरिया महादेव मन्दिर (खजुराहो) , दिलवाड़ा जैन मन्दिर (माउण्ट आबू)
द्रविड शैली	गोलाकार भवन	कैलाश मन्दिर (काँची) ,रथ मन्दिर (मामल्लापरम) । शैली भवन वृहदेश्वर मन्दिर (तंजौर)
बेसर शैली	आयताकार भवन	कैलाश मन्दिर (एलोरा) , दशावतार मन्दिर (देवगढ़ शैली भवन झाँसी)

FREE SAMPLE

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**"*

*के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

*राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये
*इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अध्याय – 10

भारतीय नृत्य कलाएं –

भारतीय शास्त्रीय नृत्य

- भारत में प्राचीन काल से एक समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है। विभिन्न कालों की खुदाई। शिलालेखों ऐतिहासिक वर्णन राजाओं की वंश परंपरा तथा कलाकारों साहित्यिक स्रोतों। मूर्तिकला और चित्रकला से व्यापक प्रमाण उपलब्ध होते हैं।
- साहित्य में पहला संदर्भ वेदों से मिलता है, जहाँ नृत्य व संगीत का उद्गम है। भारतीय नृत्य कला का एक ज्यादा संयोजित इतिहास महाकाव्यों अनेक पुराण, कवित्व साहित्य तथा नाटकों का समृद्ध कोष जो संस्कृत में काव्य और नाटक के रूप में जाने जाते हैं।
- शास्त्रीय संस्कृत नाटक का विकास एक वर्णित विकास है जो मुखरित शब्द मुद्राओं और आकृति ऐतिहासिक वर्णन, संगीत तथा शैलीगत गतिविधि का एक सम्मिश्रण है। खुदाई से दो मूर्तियां प्रकाश में आई एक मोहनजोदड़ो की कांसे की मूर्ति और दूसरा हड़प्पा का एक टूटा हुआ धड़ यह दोनों मूर्तियां नृत्य मुद्राओं की सूचक है। बाद में नटराज आकृति के अग्रदूत के रूप में इसे पहचाना गया, जिसे आमतौर पर नृत्य करते हुए शिव के रूप में पहचाना जाता है।
- भरत मुनि का नाट्यशास्त्र शास्त्रीय नृत्य पर प्राचीन ग्रंथ के रूप में उपलब्ध है, जो नाटक नृत्य और संगीत की कला की स्रोत पुस्तक है।
- नाट्यशास्त्र को पांचवें वेद के रूप में माना जाता है।
- लेखक के अनुसार उसने इस वेद का विकास ऋग्वेद से शब्द सामवेद से संगीत। यजुर्वेद से मुद्राएं और अथर्ववेद से भाव लेकर किया है।
- नाट्यशास्त्र में सूत्रबद्ध शास्त्रीय परंपरा की शैली में भारतीय नृत्य कला और संगीत नाटक के अलंघनीय भाग है।
- नाटक की कला में इसके सभी मौलिक अंशों को रखा जाता है और कलाकार स्वयं नर्तक तथा गायक होता है।

नृत्य

- नृत्य मौलिक अभिव्यक्ति है और यह विशेष रूप से एक विषय या विचार का प्रतिपादन करने के लिए प्रस्तुत किया जाता है।
- नृत्त दूसरे रूप से शुद्ध नृत्य है। जहाँ शरीर की गतिविधियां न तो किसी भाव का वर्णन करती हैं और न ही वे किसी अर्थ को प्रतिपादित करती हैं।

नवरस

<u>भरतनाट्यम</u>

- भरतनाट्यम भारतीय नृत्य कला शैली का विकास तमिलनाडु में हुआ।
- भरतमुनि के नाट्यशास्त्र से भारतीय नृत्य कला की इस शैली की जानकारी प्राप्त होती है।
- भरतनाट्यम का नाम भरतमुनि तथा नाट्यम शब्द से मिलकर बना है। तमिल में नाट्यम शब्द का अर्थ नृत्य होता है।

नंदिकेश्वर द्वारा रचित अभिनय दर्पण भरतनाट्यम नृत्य में शरीर की गतिविधि के व्याकरण और तकनीकी अध्ययन के लिए ग्रंथीय सामग्री का एक प्रमुख स्त्रोत.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **मुगलकालीन प्रमुख इमारतें -**

जामा मस्जिद

- यह लाल पत्थर से निर्मित है। ! इस मस्जिद को फतेहपुर सीकरी का गौरव कहा गया है। फर्ग्यूसन ने इसे पत्थरों की रुमानी कथा कहा है।

शेख सलीम चिश्ती का मकबरा

- अकबर ने इसका निर्माण लाल पत्थर से करवाया परंतु जहांगीर व शाहजहां ने इसे तुड़वाकर संगमरमर से निर्मित करवा दिया गया।

इस्लाम खा का मकबरा

- सर्वप्रथम वर्गाकार मेहराब का प्रयोग इसी मकबरे में किया गया है।

जोधाबाई का महल

- यह फतेहपुर सीकरी की सबसे बड़ी आवासीय इमारत है।

तुर्की सुल्तान की कोठी

- यह अकबर की प्रथम पत्नी रुकैया बेगम का महल था। पर्सी ब्राउन ने इसे मुगल स्थापत्य का रतन कहां है।

मरियम महल

- अकबर की माता हमीदा बानो का महल था। हमीदा बानो मरियम मकानी के नाम से प्रसिद्ध है।
- अकबर ने इसमें हिंदू देवी-देवताओं के चित्र बनवाएं थे जिन्हें बाद में औरंगजेब ने चूने से पुतवा दिया गया।

- इसका उल्लेख इटली के मनुची ने अपनी पुस्तक स्टीरियो डी मोगर में किया ।
- मरियम का महलः जोधाबाई महल के निकट है ।
- बीरबल का महलः यह दो मंजिला इमारत है जो मरियम के महल की तर्ज पर बनी है।
- तुर्की सुल्ताना की कोठीः रूबिया बेगम या सलीमा बेगम के लिए निर्मित यह लघु आकार की इमारत अत्यधिक आकर्षक है। पर्सी ब्राउन ने इसे "कलात्मक रत्न" कहा।
- फर्ग्यूसनः 'फतेहपुर सीकरी का महल पाषण का एक ऐसा रोमांस है जैसा कहीं और नहीं मिलेगा।
- अबुल फजल लिखता है कि "बादशाह सुन्दर भवनों की योजना बनाता है और अपने मस्तिष्क एवं हृदय के
- विचारों को पत्थर एवं गारे का रूप प्रदान करता है।

पंचमहल

- यह पांच मंजिला पिरामिड की आकृति की इमारत है इसमें कोई दरवाजा नहीं है ।
- नीचे वाली इमारत में ५४ व ऊपर वाली इमारत में ५ स्तंभ हैं ।

ताजमहल

- ताजमहल को मुगल स्थापत्य का सर्वश्रेष्ठ इमारत माना गया है ।
- 1631 में शाहजहां की पत्नी अर्जुमंद बानो बेगम या मुमताज की मृत्यु हो गई ।
- इसकी स्मृति में आगरा में यमुना नदी के किनारे ताजमहल का निर्माण प्रारंभ करवाया ।
- 22 वर्ष 9 करोड़ की लागत व मकराना के संगमरमर से यह बनकर पूर्ण .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**"

*के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अर्थव्यवस्था

अध्याय – 2

राष्ट्रीय आय और उत्पाद (National Income and Product)

किसी भी देश की अर्थ व्यवस्था के आर्थिक निष्पादन की जानकारी का प्रमुख साधन राष्ट्रीय आय है/ स्वतंत्रता के पश्चात् भारत सरकार ने राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने के लिए वर्ष 1949 में राष्ट्रीय आय समिति का गठन किया, जिसके अध्यक्ष पी. सी. महालनोबिस थे/

राष्ट्रीय आय का अर्थ : -

राष्ट्रीय आय से अभिप्राय किसी राष्ट्र की एक वर्ष के दौरान आर्थिक क्रियाओं के परिणामस्वरुप उत्पादित अंतिम 'वस्तुओं एवं सेवाओं' के मौद्रिक मूल्य से होता है/ दूसरे शब्दों में किसी एक लेखा वर्ष की अवधि के अंतर्गत किसी अर्थव्यवस्था में उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्य को राष्ट्रीय आय कहते हैं/

राष्ट्रीय आय की गणना :-

भारत में राष्ट्रीय आय की गणना निम्नलिखित मूल्यों पर की जाती है /	
चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय	स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय

चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय : -

किसी भी देश के निवासियों द्वारा एक वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के चालू मूल्यों का योग मौद्रिक राष्ट्रीय आय कहलाती है/

स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय :-

किसी एक लेखा वर्ष को आधार मानकर उस मूल्यों पर राष्ट्रीय आय की गणना स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय कहलाती है/

नोट : -

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

सकल मूल्यवर्द्धन : इसका अनुमान कारक लागत के स्थान पर मूल कीमतों पर किया जाता है/ सकल मूल्यवर्द्धन के माप को जी. डी. पी. में सब्सिडी से प्रत्यक्ष बिक्री को घटाकर प्रस्तुत किया जाता है/

राष्ट्रीय आय = कुल उपभोग व्यय + कुल बचत

भारत में सामान्यत : राष्ट्रीय आय की गणना के लिए उत्पाद विधि एवं आय विधि का मिश्रित रूप प्रचलित है/

राष्ट्रीय आय और उत्पादन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाए ⇒

i. **सकल घरेलु उत्पाद (Gross Domestic Product)** – किसी भी देश कि घरेलू सीमा के भीतर किसी एक वर्ष मे उत्पादित कि गई सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओ के बाजार मूल्यों के समग्र योग को GDP कहते है।
सकल घरेलु उत्पाद को निम्नलिखित सूत्र के माध्यम से व्यक्त किया जाता है/

सकल घरेलु उत्पाद GDP = उपभोग + निवेश + सरकारी व्यय (कुल आयत (X) – कुल निर्यात (M)

b. उत्पादन के अंतर्गत सभी वस्तुओ अथवा सेवाओ को ध्यान मे नहीं रखा जाएगा केवल अंतिम वस्तुओ को ध्यान मे रखा जाएगा। उदा. के लिए Smart Phone के उत्पादन को ध्यान मे रखा जाएगा न कि उसमे इस्तेमाल होने वाले पाट्र्स को। इसका कारण यह है कि Smart Phone के मूल्य मे पाट्र्स का मूल्य जुड़ा रहता है। पाट्र्स का आदि का कोई Stock मे है तो उसका मूल्यांकन अलग से कर लिया जाएगा।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

यदि अंतिम वस्तुओ को ध्यान मे नहीं रखना है तथा सभी प्रकार कि वस्तुओ को.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **केन्द्रीय बजट 2021-22**

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2021 को संसद में केन्द्रीय बजट 2021 – 22 पेश किया, यह भारत के पहला डिजिटल केन्द्रीय बजट है/ उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई 2021 में जारी है और कोविड के बाद जब दुनिया में राजनैतिक, आर्थिक, और रणनीतिक संबंध बदल रहे हैं, इतिहास का यह क्षण, नये युग का सवेरा है-ऐसा युग जिसमें भारत वायदों और उम्मीदों की धरती के रूप में उभरा।

केन्द्रीय बजट 2021-22 की मुख्य बातें इस प्रकार हैं :

1. स्वास्थ्य और कल्याण
2. वास्तविक और वित्तीय पूंजी, और बुनियादी ढांचा
3. आकांक्षी भारत के लिए समावेशी विकास
4. मानव पूंजी में नवजीवन का संचार
5. नवोन्मेष और अनुसंधान और विकास
6. न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन्

1. स्वास्थ्य और खुशहाली

- बजट में वित्त वर्ष 2021-22 में स्वास्थ्य और खुशहाली में 2,23,846 करोड़ रुपये का व्यय रखा गया है जबकि 2020 - 21 में यह 94,452 करोड़ रुपये था । यह 137 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है।
- स्वास्थ्य के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए तीन क्षेत्रों को मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित – निवारक, उपचारात्मक, सुधारात्मक ।
- स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए कदम

टीका

- वर्ष 2021-22 में कोविड-19 टीके के लिए 35,000 करोड़ रुपये
- मेड इन इंडिया न्यूमोकोकल वैक्सीन वर्तमान में पांच राज्यों के साथ देश भर में आ जाएगी- जिससे हर वर्ष 50,000 बच्चों की मौतों को रोका जा सकेगा।

स्वास्थ्य प्रणालियां

- प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना के लिए 6 वर्ष में 64,180 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे – एक नई केन्द्र प्रायोगिक योजना जिसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अतिरिक्त शुरू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना के अंतर्गत मुख्य पहल निम्नलिखित हैं:

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- एक स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय संस्थान
- 17,788 ग्रामीण और 11,024 शहरी स्वास्थ्य और कल्याण केन्द्र
- 4 वायरोलॉजी के लिए 4 क्षेत्रीय राष्ट्रीय संस्थान
- 15 स्वास्थ्य आपात ऑपरेशन केन्द्र और 2 मोबाइल अस्पताल
- सभी जिलों में एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं और 11 राज्यों में 33,82 ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयां
- 602 जिलों और 12 केन्द्रीय संस्थानों में क्रिटिकल केयर अस्पताल ब्लॉक स्थापित करना
- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी), इसकी पांच क्षेत्रीय शाखाओं और 20 महानगर स्वास्थ्य निगरानी इकाइयों को सुदृढ़ करना
- एकीकृत स्वास्थ्य सूचना पोर्टल का सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में विस्तार ताकि सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं को जोड़ा जा सके
- 17 नई सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों को चालू करना और 33 मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों को मजबूत करना
- विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान प्लेटफॉर्म
- 9 बायो सेफटी लेवल III प्रयोशालाएं

पोषण

- मिशन पोषण 2.0 का शुभारंभ होगा:
- पोषणगत मात्रा, डिलीवरी, आउटरीच तथा परिणाम को सुदृढ़ बनाना
- संपूरक पोषण कार्यक्रम और पोषण अभियान का विलय किया जाएगा

112 आकांक्षी जिलों में पोषणगत परिणामों में सुधार लाने के लिए एक.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**"

FREE SAMPLE

*के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 5

वस्तु एवं सेवा कर

GST

GOODS & SERVICES TAX

वस्तु एवं सेवा कर GOODS & SERVICE TAX [GST]

GST की नीव आज से 16 वर्ष पहले रखी गयी थी,

इसके बाद वर्ष से 2010 में तत्कालीन भारत सरकार में 2007GST लागू करने का प्रस्ताव रखा था

मार्च में लोकसभा में इसे पेश किया गया।

दिसम्बर 2014में एक बार फिर सेGST विधेयक संसद में पेश किया गया तथा मई 2015में इसे लोकसभा में पारित किया गया।

राज्यसभा में मंजूरी मिलने के बाद यह संविधान का 122वां संशोधन कहलाया।

पूरे देश में इसको 1 जुलाई 2017 से लागू किया गया है।

- **GST:**

GST अर्थात वस्तु एवं सेवा कर(Goods & Service Tax) एक अप्रत्यक्ष (Indirect) कर (Tax) है।

यह एक एकीकृत कर (Integrated Tax) है जो वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों पर लगेगा।

GST लागू होने के बाद पूरा देश एकीकृत बाजार में तब्दील हो जायेगा

अधिकतर अप्रत्यक्ष कर जैसे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (Exise Duty), सेवा कर (Service Taxवैट(VAT (Value Added Tax), मनोरंजन कर आदि सभी अप्रत्यक्ष कर समाप्त होकर GST में समाहित हो जायेगे।

दुनिया के करीब 165 देशो मेंGST लागू है।

FREE SAMPLE

न्यूज़ीलैंड में 15% ऑस्ट्रेलिया में 10% फ्रांस में 19.6 % जर्मनी में 19% तथा पाकिस्तान में 18% की दर से Gst लागू है /

gst से पहले भारत के tax system में सबसे बड़ा सुधार वर्ष 2005 में किया गया था / safer tax को vat अर्थात् मूल्य निर्धारित कर जो की एक बाज़ार कर होता है जिसे vat में बदल दिया गया था/

अलग – अलग चरणों में लगने वालों करों को कम करने की कोशिश की गई थी / लेकिन vat भी लगने वाली tax पर tax को कम नही कर पाया/

vat उन वस्तुओं पर लगता जिन पर exise duty चूका दी गई हो

यानि लोगों को tax पर भी अलग से tax देना पड़ता था/

भारत में Taxकी वर्तमान व्यवस्था के अनुसार देश में निर्मित होने वाली वस्तुओ की मैन्युफैकचुरिंग देनी पडती है और जब ये वस्तुये Exise Duty पर (Manu Facturing) बिक्री पर लायी जाती है तो इस परSales Tax और Vat (VAT) अतिरिक्त लग जाता है इसी तरह उपलब्ध करायी गयी सेवाओ पर लोगो से Service Tax वसूला जाता है लेठिन GST लागू होने के बाद इन करो का बोझ समाप्त हो जायेगा।

GST के प्रकार:

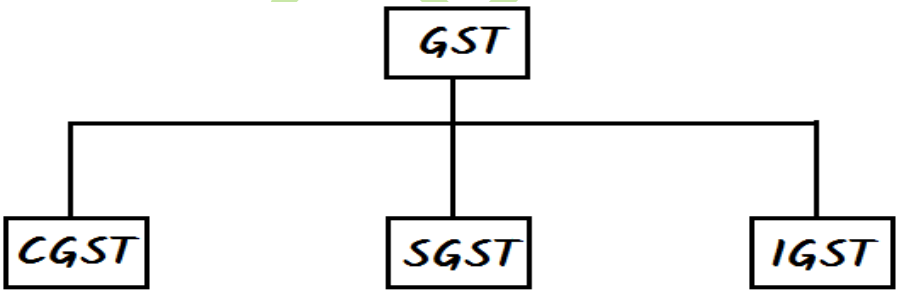

केंद्र वसूलेगा राज्य वसूलेगा एक साथ दोनों वसूलेंगे

संघीय ढांचे को बनाये रखने के लिये GST तीन स्तरों पर लगेगा। :-

- केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर)CGST)इस कर को केन्द्र सरकार वसूलेगी। -
- राज्यवस्तु एवं सेवा कर)SGST)इस कर को राज्य सरकारे वसूलेगी। -

- एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर ।)GST) एक राज्य से दूसरे राज्य में वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री की स्थिती मेंयह कर लगेगा।

  IGSTका एक हिस्सा केंद्र सरकार और दूसरा हिस्सा वस्तु या सेवा का उपभोग करने वालेराज्य को प्राप्त होगा।

gst क्यों आवश्यक है -

भारत का वर्तमान कर ढांचा)Tax Structure) बहुत ही जटिल है। भारतीय संविधान के अनुसार मुख्य रुप से वस्तुओ की बिक्री पर कर लगाने का अधिकार राज्य सरकार.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 8

गरीबी एवं बेरोजगारी

बेरोजगारी (Unemployment)

बेरोजगारी - जब एक व्यक्ति सक्रियता से रोजगार की खोज करता है , लेकिन वह काम पाने में अक्षम रहता है, बेरोजगारी कहलाता है /

- **श्रम बल**- देश में 15 वर्ष की आयु लेकर 60 वर्ष की आयु तक के लोग श्रम बल के अंतर्गत आते है।
- **कार्य बल** - श्रम बल लोग जिनको कार्य/रोजगार मिल जाता है राष्ट्र का कार्य बल कहलाते है।

अतः बेरोजगारी को निम्न रूप में भी समझा जा सकता है।

बेरोजगारी = श्रमबल - कार्यबल

- जब किसी देश में पूर्ण श्रम बल को रोजगार प्राप्त हो जाए अर्थात पूर्ण श्रम बल, कार्य बल में बदल जाये तब देश में पूर्ण रोजगार होगा।

पूर्ण रोजगार = श्रमबल = कार्यबल

बेरोजगारी का मापन (Measurement of Unemployment)

- बेरोजगारी को मापने के लिए वर्ष 1970 में भगवती समिति बनायी गयी थी। इस समिति की सिफारिशों के आधार पर बेरोजगारी को मापने के लिए तीन तरीके बनाये गये।

1. दीर्घकालिक बेरोजगारी

- यदि किसी सर्वेक्षण वर्ष में किसी व्यक्ति को 183 दिन (4 घंटे प्रति दिन) रोजगार नहीं मिलता है तो वह व्यक्ति दीर्घकालिक बेरोजगारी के अंतर्गत आता है। वर्तमान में इस 183 दिन के मानक को बदल कर 273 दिन कर दिया गया है।

FREE SAMPLE

2. साप्ताहिक बेरोजगारी

- यदि किसी व्यक्ति को सप्ताह में । दिन (४ घंटे) का काम न मिले तो उसे साप्ताहिक बेरोजगारी के अंतर्गत रखा जाता है।

3. दैनिक बेरोजगारी

- यदि किसी को प्रति दिन आधे दिन (५ घंटे) का काम न मिले तो उसे दैनिक बेरोजगारी के अंतर्गत रखा जाता है।

शहरी बेरोजगारी

(Urban Unemployment)

औद्योगिक बेरोजगारी (Industrial Unemployment): औद्योगिक बेरोजगारी में वे लोग शामिल होते हैं जो लोग तकनीकी एवं गैर तकनीकी रूप के अन्तर्गत कार्य करने की क्षमता तो रखते हैं परन्तु बेरोजगार हैं।

- देश में औद्योगिक बेरोजगारी में वृद्धि के कारणों में औद्योगीकरण की धीमी प्रक्रिया तथा अनुपयुक्त तकनीकी का प्रयोग शामिल है।

शिक्षित बेरोजगारी (Educated Unemployment):

पढ़े-लिखे लोगों द्वारा रोजगार न प्राप्त कर पाना शिक्षित बेरोजगारी कहलाती है। भारत में शिक्षित वर्ग में रोजगारी की समस्या अत्यधिक गंभीर है।

इसका मुख्य कारण है।

- देश में शिक्षण संस्थाओं जैसे- विश्वविद्यालय, कॉलेजों, स्कूलों आदि की संख्या में वृद्धि होने के कारण शिक्षित लोगों की संख्या में वृद्धि होना ।
- भारत में शिक्षा प्रणाली रोजगारपरक नहीं बल्कि उपाधिपरक है अर्थात् भारत में शिक्षा व्यवस्था दोषपूर्ण है।

ग्रामीण बेरोजगारी (Rural Unemployment)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रच्छन / अवृश्य बेरोजगारी (Disguised unemployment) : - जब किसी काम में जरूरत से ज्यादा व्यक्ति शामिल रहते हैं जबकि उतने लोगों की जरूरत नहीं होती है, तो यह स्थिति प्रच्छन्न बेरोजगारी कहलाती है।

- इसमें सीमांत उत्पादकता शून्य या ऋणात्मक होती है।
- यह जनसंख्या के अधिक दबाव और रोजगार के वैकल्पिक अवसरों की कमी के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में बनी रहती है।
- इसे पूंजी निर्माण, गैर-कृषि गतिविधियों के विकास के द्वारा किया जाता है इस बेरोजगारी का माप संभव नहीं है।

मौसमी बेरोजगारी (Seasonal Unemployment) :

एक वर्ष के किसी मौसम या कुछ महीनों के लिए किसी व्यक्ति को रोजगार मिलना.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संविधान

अध्याय – 2

संविधान सभा

- भारत में संविधान सभा के गठन का विचार वर्ष 1934 में पहली बार एम० एन. रॉय ने रखा ।
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की ।
- 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा । नेहरू की इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे 1940 के अगस्त प्रस्ताव के रूप में जाना जाता है।
- क्रिप्स मिशन 1946 में भारत आया ।

क्रिप्स मिशन

- लार्ड सर पैथिक लारेंस (अध्यक्ष)
- ए० वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- 1946 ई. को ब्रिटेन के प्रधान मंत्री एटली ने ब्रिटिश मंत्रिमंडल के तीन सदस्य (सर स्टेफोर्ड क्रिप्स ,लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए.वी.अलेक्जेंडर)को भारत भेजा जिसे कबिनेट मिशन कहा गया ।
- कैबिनेट का मुख्य कार्य संविधान सभा का गठन कर भारतीयों द्वारा अपना संविधान बनाने का कार्य करना था ।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- भारत में जवाहर लाल नेहरु की अध्यक्षता में अंतरिम सरकार का गठन कैबनेट मिशन योजना के तहत किया गया था। अंतरिम मंत्रिमंडल अंग इस प्रकार था।

अंतरिम सरकार

जवाहर लाल नेहरू	-	स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमंडल (1947)
सरदार वल्लभभाई पटेल	-	गृह, सूचना एवं प्रसारण
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	-	खाद्य एवं कृषि
जॉन मथाई	-	उद्योग एवं नागरिक आपूर्ति
जगजीवन राम	-	श्रम
सरदार बलदेव सिंह	-	रक्षा
सी. एच. भाभा	-	कार्य, खान एवं उर्जा
लियाकत अली खां	-	वित्त
अब्दुर रख निश्तार	-	डाक एवं वायु
आसफ अली	-	रेलवे एवं परिवहन
सी. राजगोपालाचारी	-	शिक्षा एवं कला
आई. आई. चुंदरीगर	-	वाणिज्य
गजनफर अली खान	-	स्वास्थ्य
जोगेंद्र नाथ मंडल	-	विधि

- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ। मिशन की योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरूप निम्नलिखित प्रकार का होना था –
- सविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी। इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देसी रियासतों को दी जानी थी।
- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देसी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी। आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था। यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम्स, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर)।
- देसी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखो द्वारा किया जाना था।
- कैबिनेट योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए।
- इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली।
- महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दे तो सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे।

- 9 दिसम्बर 1946 ई. को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई जिसमे मुस्लिम लीग ने भाग नही लिया।
- संविधान सभा का अधिवेसन् 9 दिसम्बर 1946 को कन्द्रीय कक्ष में संपन्न हुआ। डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सर्व सम्मति से संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुन लिया गया।
- 11 दिसम्बर 1946 ई. को कांग्रेस के नेता डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। जो की अन्त तक इसके अध्यक्ष बने रहे।

<u>उद्देश्य प्रस्ताव</u> :-

- 13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई। मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार कियाऔर अलग पाकिस्तान की मांग.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 3

भारतीय नागरिकता

अर्थ एवं महत्व

भारत में दो तरह के लोग रहते हैं।

1. नागरिक (भारतीय राज्य के पूर्व सदस्य, राजनैतिक अधिकार प्राप्त)
2. विदेशी (ये अन्य राज्य के नागरिक होते हैं।)

विदेशी

- मित्र (रूस) (भारत के साथ सकारात्मक सम्बन्ध)
- शत्रु (पाक) (जिनसे भारत का युद्ध चल रहा हो ।)
- विदेशी गिरफ्तारी व नजरबंदी के विरुद्ध सुरक्षित नहीं होते (Art- 22)

भारतीय नागरिकों को प्राप्त विशेषाधिकार जो विदेशियों को प्राप्त नहीं -

1. धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद के विरुद्ध अधिकार (Art-15)
2. लोक नियोजन के विषय में समता का अधिकार (Art-16)
3. वाक स्वतंत्र एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मेलन, संघ, संचरण, निवास व व्यवसाय की स्वतंत्रता (Art - 19)
4. संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (Art 29 व 30)।
5. लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान का अधिकार ।
6. संसद एवं राज्य विधानमंडल की सदस्यता के लिए चुनाव लड़ने का अधिकार ।
7. सार्वजनिक पदों, जैसे- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, उच्चतम एवं उच्च न्यायलय के न्यायधीश, राज्यों के राज्यपाल, महान्यायवादी एवं महाधिवक्ता की योग्यता रखने का अधिकार ।

FREE SAMPLE

संवैधानिक उपबन्ध

- संसद में नागरिकता अधिनियम 1955 को लागू किया जिसका 1957, 1960, 1985, 1986, 1992, 2003, 2015 में संशोधन किया गया ।
- संविधान के अनुसार चार श्रेणियों के लोग भारत के नागरिक बने –

1. एक व्यक्ति, जो भारत का मूल निवासी है और तीन में से कोई भी एक शर्त पूरी करता है। ये शर्ते है- यदि उसका जन्म भारत में हुआ हो, या उसके माता-पिता में से किसी भी एक का जन्म भारत में हुआ हो या संविधान लागू होने के पांच वर्ष पूर्व से भारत में रह रहा हो ।

2. एक व्यक्ति, जो पाकिस्तान से भारत आया हो और यदि उसके माता-पिता या दादा-दादी अविभाजित भारत में पैदा हुए हो और निम्न में से कोई एक शर्त पूरी करता हो, वह भारत का नागरिक बन सकता है- यदि वह 19 जुलाई, 1948 से पूर्व स्थानांतरित हुआ हो, अपने प्रवसन् की तिथि से उसने समान्यतः भारत में निवास किया हो; और यदि उसने 19 जुलाई 1948 को या उसके बाद भारत में अवसन् किया हो तो वह भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत हो, लेकिन ऐसे व्यक्ति का पंजीकृत होने के लिए छः माह तक भारत में निवास आवश्यक है । (Art - 6)

3. एक व्यक्ति, जो 1 मार्च, 1947 के बाद भारत से पाकिस्तान स्थानांतरित हो गया हो, लेकिन बाद में फिर भारत में पुनर्वास के लिए लौट आये तो वह भारत का नागरिक बन सकता है। उसे पंजीकरण प्रार्थना पत्र के बाद छह माह तक रहना होगा (Art - 7)

4. एक व्यक्ति, जिसके माता पिता या दादा-दादी अविभाजित भारत में पैदा हुए हों लेकिन वह भारत के बाहर रह रहा हो। फिर भी वह भारत का नागरिक बन सकता है, यदि उसने भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत कूटनीनिज्ञ तरीके से पार्षदीय प्रतिनिधि

FREE SAMPLE

के रूप में आवेदन किया हो । यह व्यवस्था भारत के बाहर रहने वाले भारतीयों के लिए बनाई गई है ताकि वे भारत की नागरिकता ग्रहण कर सके (Art-8)

नागरिकता का अर्जन

- *जन्म से*
- *वंश के आधार पर*
- *पंजीकरण द्वारा*
- *प्राकृतिक रूप से*
- *क्षेत्र समाविष्ट द्वारा*

नागरिकता की समाप्ति

- *स्वैच्छिक त्याग*
- *बर्खास्तगी के द्वारा*
- *वंचित करने द्वारा*

स्वैच्छिक त्याग *:- एक भारतीय नागरिक जो पूर्ण आयु और क्षमता का हो। ऐसी घोषणा के उपरान्त वह भारत का नागरिक.....*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 7

प्रधान मंत्री एवं मंत्रिपरिषद्

- संविधान के **अनु. 74** के अनुसार राष्ट्रपति को उसके कार्यों के सम्पादन व सलाह देने हेतु मंत्रिपरिषद होती है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है।
- संविधान के **अनु-75** के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा और अन्य मंत्रियों की नियक्ति राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर करेगा। मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की कुल संख्या प्रधानमंत्री को शामिल करके लोकसभा के कुल सदस्यों की कुल संख्या के 15% से अधिक नही होगी (91 वां संविधान संशोधन अधिनियम -2003)
- **अनु.-75** (2) के अनुसार मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादप्रयन्त पद धारण करेंगे और **अनु.-75 (3)** के अनुसार मंत्री परिषद् लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होगी ।
- पद ग्रहण से पूर्व प्रधानमंत्री सहित प्रत्येक मंत्री को राष्ट्रपति के सामने पद और गोपनीयता की शपथ लेनी होती है। (अनु.-75 (4)।
- मंत्रिपरिषद का सदस्य बनने के लिए वैधानिक दृष्टि से यह आवश्यक है की व्यक्ति संसद के किसी सदन का सदस्य हो यदि व्यक्ति मंत्री बनते समय संसद सदस्य नही हो तो उसे 6 माह के अन्दर संसद सदस्य बनना अनिवार्य है। नही तो उसे अपना पद छोड़ना होगा। **अनु-75 (5)**
- यदि लोकसभा किसी एक मंत्री के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव पारित करें अथवा उस विभाग से संबंधित विधेयक को रद्द कर दे, तो समस्त मंत्रिमंडल को त्यागपत्र देना होता है।
- **मंत्री तीन प्रकार के होते हैं-**
- **कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री, उपमंत्री**
- कैबिनेट मंत्री विभाग के अध्यक्ष होते हैं।
- प्रधानमंत्री एवं कैबिनेट मंत्री को मिलाकर मंत्रिमंडल का निर्माण होता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- *प्रधान मंत्री लोकसभा का नेता होता है। वह राष्ट्रपति को संसद का सत्र आहूत करने एवं सत्रावसान करने संबंधी परामर्श देता है। वह किसी भी समय लोकसभा को विघटित करने की सिफारिश राष्ट्रपति से कर सकता है।*
- *प्रधानमंत्री सभा पटल पर सरकार की नीतियों की घोषणा करता है।*
- *प्रधानमंत्री निति आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद राष्ट्रीय एकता परिषद् अन्तर्राज्जीय परिषद तथा राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद् का अध्यक्ष होता है।*
- *प्रधानमंत्री राष्ट्रपति एवं मंत्रिपरिषद के बीच संवाद की मुख्य कड़ी है* ***(अनु- 78)***

- ***प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को विभिन्न अधिकारियों, जैसे –***
- *भारत के महान्यायवादी,*
- *भारत का नियंत्रक महालेखा परीक्षक*
- *संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष एवं उसके सदस्यों*
- *चुनाव आयुक्तों*
- *वित्त आयोग का अध्यक्ष एवं उसके सदस्यों एवं अन्य नियुक्ति के संबंध में परामर्श देता है।*
- *प्रधानमंत्री किसी मंत्री को त्यागपत्र देने के लिए अथवा राष्ट्रपति को उसे बर्खास्त करने की सलाह दे सकता है। वह मंत्रिपरिषद बैठक की अध्यक्षता करता है। तथा अपने पद से त्याग पत्र देकर मंत्रिमंडल को बर्खास्त कर सकता है।*

नोटः*-प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद का प्रमुख होता है, अतः जब प्रधानमंत्री त्यागपत्र देता है अथवा उसकी मृत्यु हो.....*

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"रेलवे ग्रुप – D 2022"***

FREE SAMPLE

*के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

*राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

*इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 9

राज्य कार्यपालिका

राज्यपाल

- संविधान के भाग-6 में राज्य शासन् के लिए प्रावधान किया गया है और यह प्रावधान जम्मू-कश्मीर को छोड़कर सभी राज्यों के लिए लागू होता है।
- अनुच्छेद 153 के अनुसार राज्य में एक राज्यपाल होगा जिसकी नियुक्ति अनुच्छेद 155 के संघीय मंत्रिपरिषद् की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- प्रत्येक राज्य में एक राज्यपाल होता है लेकिन सातवें संशोधन (1956) के अनुसार एक ही राज्यपाल को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।

राज्यपाल की योग्यता - राज्यपाल पद पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति में निम्न योग्यताएँ होना अनिवार्य है-

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) । वह 35 वर्ष की उम्र पूरा कर चुका हो । (3) किसी प्रकार के लाभ के पद पर नहीं हो। (4) वह राज्य विधानसभा का सदस्य चुने जाने योग्य हो। ।

- राज्यपाल की नियुक्ति द्वारा पाँच वर्षों की अवधि के लिए की जाती है, परन्तु यह राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यन्त पद धारण करता है।
- राज्यपाल पद ग्रहण करने से पूर्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अथवा वरिष्ठतम न्यायाधीश के सम्मुख अपने पद की शपथ लेता है। ।
- अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य की सभी कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होती है।

राज्यपाल की उन्मुक्तियाँ तथा विशेषाधिकार

(1) वह अपने पद की शक्तियों के प्रयोग तथा कर्तव्यों के पालन के लिए किसी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

(2) राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसके विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी प्रकार की आपराधिक कार्रवाही नहीं प्रारंभ की जा सकती है।

(3) जब वह पद पर हो तब उसकी गिरफ्तारी का आदेश किसी न्यायालय द्वारा जारी नहीं किया जा सकता।

(4) राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पूर्व या पश्चात् उसके द्वारा किए गए कार्य के संबंध में कोई सिविल कार्रवाही करने से पहले उसे दो मास पूर्व सूचना देनी पड़ती है।

राज्यपाल की शक्तियाँ एवं कार्य

कार्यपालिका संबंधी कार्य

(अ) अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य राज्यपाल के नाम के किए जाते हैं।

(ब) राज्यपाल मुख्यमंत्री को तथा मुख्यमंत्री की सलाह से उसकी मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को नियुक्त करता है तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाता है।

(स) राज्यपाल राज्य के उच्च अधिकारियों, जैसे महाधिवक्ता, राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति करता है तथा राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है।

(द) राज्यपाल का अधिकार है कि.....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण

विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 13

नीति आयोग

- नीति आयोग(राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) भारत सरकार द्वारा गठित एक नई संस्थान है, जिसे योजना आयोग के स्थान पर बनाया गया है। इस संस्थान ने एक जनवरी 2015 से एक कार्य करना प्रारंभ किया है। यह संस्थान सरकार के थिंक टैंक के रूप में सेवाएं प्रदान करेगा और उसे निर्देशात्मक एवं नीतिगत गतिशीलता प्रदान करेगा।
- नीति आयोग और योजना आयोग में मूलभूत अंतर यह है कि इससे केंद्र से राज्यों की तरफ चलने वाले एकपक्षीय नीतिगत क्रम को एक महत्वपूर्ण विकासवादी परिवर्तन के रूप में राज्यों की वास्तविक और सतत भागीदारी में बदल दिया जाएगा।

- **नीति आयोग की संरचना**

नीति आयोग की संरचना इस प्रकार है

· भारत के प्रधानमंत्री अध्यक्ष।

· गवर्निंग काउंसिल में राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों (जिन केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा है,वहां के मुख्यमंत्री) के उपराज्यपाल शामिल होंगे।

· विशिष्ट मुद्दों और ऐसे आकस्मिक मामले जिनका संबंध एक से अधिक राज्य या क्षेत्र से हो, को देखने के लिए क्षेत्रीय परिषद गठित की जाएगी। यह परिषदें विशिष्ट कार्यकाल के लिए बनाई जाएंगी। भारत के प्रधानमंत्री के निर्देश पर क्षेत्रीय परिषदों की बैठक होगी। और इनमें संबंधित क्षेत्र के राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल होंगे (उनकी अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष करेंगे)

· संबंधित कार्य क्षेत्र की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ और कार्यरत लोग विशेष आमंत्रित के रूप में प्रधानमंत्री द्वारा नामित किए जाएंगे।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

· पूर्णकालिक संगठनात्मक ढांचे में (प्रधानमंत्री अध्यक्ष होने के अलावा) निम्न होंगे

(1). उपाध्यक्षः प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त ।

(2). सदस्यः पूर्णकालिक

(3). अंशकालिक सदस्य : अग्रणी विश्वविद्यालयों में शोध संस्थानों और संबंधित संस्थानों से अधिकतम दो पदेन सदस्य अंशकालिक सदस्य क्रमानुसार होंगे ।

(4). पदेन सदस्य : केंद्रीय मंत्री परिषद से अधिकतम चार सदस्य प्रधानमंत्री द्वारा नामित होंगे । यदि बारी के आधार को.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

भारत का भूगोल

अध्याय – I

सामान्य परिचय

- भूगोल (Geography) लैटिन भाषा के शब्द "Geo + graphie" से मिलकर बना है। "Geo" का अर्थ है पृथ्वी तथा "graphie" का अर्थ है वर्णन या व्याख्या करना। सामान्यतः
- इसके अन्तर्गत पृथ्वी और उस पर दिखाई देने वाली सभी बातों या तथ्यों का अध्ययन किया जाता है।
- भौतिक भूगोल के अन्तर्गत सामान्यतः पृथ्वी से संबंधित स्थलमण्डल (Lithosphere), जलमण्डल (Hydrosphere), वायुमण्डल (Atmosphere) तथा पर्यावरण भूगोल (Environmental Geography) का क्रमबद्ध अध्ययन तथा इनके मध्य पारस्परिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

भारत की स्थिति व सीमाओं से सम्बंधित महत्वपूर्ण बिंदु –

- भारत एशिया महाद्वीप का एक देश है, जो एशिया के दक्षिणी भाग में हिन्द महासागर के शीर्ष पर तीन ओर समुद्रों से घिरा हुआ है। पूरा भारत उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6'उत्तरी अक्षांश तक है।
- भारत का देशान्तर विस्तार 68°7' पूर्वी देशान्तर से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक है।
- भारत का क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी. है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से संसार में भारत का सातवाँ स्थान है। यह रूस के क्षेत्रफल का लगभग 1/5,संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रफल का 1/3 तथा ऑस्ट्रेलिया के क्षेत्रफल का 2/5 है।
- जनसंख्या की दृष्टि से संसार में भारत का चीन के बाद दूसरा स्थान है।

- विश्व का 2.4% भूमि भारत के पास है जबकि विश्व की लगभग 17.5% जनसंख्या भारत में रहती है।
- भारत के उत्तर में नेपाल, भूटान व चीन, दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर, पूर्व में बांग्लादेश, म्यांमार एवं बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में पाकिस्तान एवं अरब सागर है। भारत को श्रीलंका से अलग करने वाला समुद्री क्षेत्र मन्नार की खाड़ी (Gulf of Mannar) तथा पाक जलडमरूमध्य(Palk Strait) है।
- प्रायद्वीप भारत का दक्षिणतम बिन्दु-कन्याकुमारी है।
- भारत का सुदूर दक्षिणतम बिन्दु - इन्दिरा प्वाइंट (ग्रेटनिकोबार में है)।
- भारत का उत्तरी अन्तिम बिन्दु .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

पड़ोसी देशों के मध्य सीमा विस्तार	
भारत-बांग्लादेश सीमा	4098 किमी.
भारत-चीन	3239किमी.
भारत-पाक सीमा	3310 किमी.
भारत-नेपाल सीमा	1761 किमी.
भारत-म्यांमार सीमा	1643 किमी.
भारत-भूटान सीमा	587 किमी.

शीर्ष पाँच क्षेत्रफल वाले राज्य	
राज्य	क्षेत्रफल वर्ग किमी.
राजस्थान	3422239
मध्यप्रदेश	308245
महाराष्ट्र	307713
आन्ध्र प्रदेश	275069
उत्तर प्रदेश	240928

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***भारत के प्रमुख दर्रे –***

हिमालय विश्व की सबसे ऊँची पर्वतमाला हैं और इसे पार करना दुष्कर हैं लेकिन इसमें कुछ दर्रे हैं जिनसे इस दुर्गम पर्वतमाला को पार किया जा सकता हैं।
इन पर्वतमाला की कुछ दर्रे इस प्रकार हैं –

1. *पश्चिमी हिमालय के दर्रे*
2. *पूर्वी हिमालय के दर्रे*
3. *पश्चिमी घाट के दर्रे*

I.पश्चिमी हिमालय के दर्रे : –

काराकोरमः – यह काराकोरम श्रेणी मे अवस्थित भारत की सबसे ऊँची चोटी हैं जो उत्तर में स्थित है/इसकी ऊंचाई 5000 मी. हैं और भारत के लद्दाख को चीन के सिकियंग प्रान्त से मिलाता है/

चांगला : - यह लद्दाख को तिब्बत से मिलाता है यह शीत ऋतु में हिमपाद के लिए बंद रहता है/

बनिहाल : – यह पीरपंजाल श्रृंखला में स्थित हैं / इसी में जवाहर सुरंग स्थित हैं /

लानकला : -यह जम्मू – कश्मीर के चीन अधिकृत अक्साई चीन में स्थित है / और तिब्बत की राजधानी तथा लद्दाख के बीच सम्पर्क बनाता है /

बरालाचा ला :- यह मनाली और लेह को आपस में जोड़ता हैं इसी से मनाली – लेह सड़क गुज़रता हैं / यह शीत ऋतु बंद रहता हैं

पीर पंजाल : – यह पीर पंजाल पर्वत श्रेणी में स्थित है जम्मू से श्री नगर जाने का मार्ग हैं लेकिन आजादी के बाद इसे बंद कर दिया गया है/

जोजिला : – यह श्री नगर, कारगिल एवं लेह के बीच संपर्क को स्थापित करता है इस के महत्त्व को देखते हुए श्री नगर जोजिला सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया है/

खारदुन्गला :- यह जम्मू कश्मीर के काराकोरम पर्वत श्रेणी में छः हजार मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित है इसी में भारत की सबसे ऊँची सड़क स्थित है /

थांग ला : -इस दर्रे से देश की दूसरी सबसे ऊँची सड़क गुज़रती है

रोहतांग :- यह हिमाचल के लौह और स्पीती के बीच में संपर्क बनाता है /

शिपकी ला : -यह झेलम महाखंड पर छः हजार मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है जो हिमाचल प्रदेश को तिब्बत से मिलाता हैं /

लिपु लेख : – यह उत्तराखंड को तिब्बत से मिलाता है /यह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिलें में.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

*राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

*इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

अध्याय – 5

कृषि एवं पशुपालन

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक व्यवस्था का प्रमुख आधार हैं। एक ओर जहाँ यह भारत की अधिकांश जनसंख्या को प्रभावित करती हैं, वही दूसरी ओर यह भारतीय जलवायु (Indian Climate), मृदा एवं अन्य संस्थागत कारकों से भी प्रभावित होती हैं। भारत एक कृषि प्रधान देश हैं। अभी भी यहाँ की आधी से अधिक जनसंख्या का भरण-पोषण कृषि पर निर्भर हैं। यद्यपि सकल राष्ट्रीय उत्पादन में कृषि का अंशदान वर्ष 1951 में 60% से घटकर वर्ष 2014-15 में 14.7% तक पहुँच गया, फिर भी इसकी भूमि का महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह 52% जनसंख्या के रोजगार का स्त्रोत हैं।

भारत के कुल 328.726 मिलियन हेक्टेयर भौगोलिक क्षेत्रफल में से 195.10 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र 2009-2010 पर कृषि की जाती हैं, जबकि इसमें से 141.36% मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र शुद्ध बुआई क्षेत्र (Net Sowing Area) हैं 46.29% अर्थात् यहाँ वास्तविक रूप से कृषि होती हैं। गत 60 वर्षो में शुद्ध बुआई क्षेत्र में तीव्रगति से वृद्धि हुई हैं। वर्ष 1950-51 में इसके अधीन केवल 118.75 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र था।

स्थानित तौर पर पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र का 55% से अधिक प्रतिवेदित क्षेत्र (Reported Area) शुद्ध बुआई क्षेत्र के रूप में पाया जाता हैं। कृषि की दृष्टि से ये देश के अग्रणी क्षेत्र हैं।

विभिन्न प्रकार की खेतियों के नाम

एरोपोनिक	पौधों को हवा में उगाना
एपीकल्चर	मधुमक्खी पालन
हॉर्टीकल्चर	बागवानी
फ्लोरीकल्चर	फूल विज्ञान
ओलेरीकल्चर	सब्जी विज्ञान

FREE SAMPLE

पोमोलॉजी	फल विज्ञान
विटीकल्चर	अंगूर की खेती
वर्मीकल्चर	केंचुआ पालन
पिसीकल्चर	मत्स्यपालन
सेरीकल्चर	रेशम उद्योग
मोरीकल्चर	रेशम कीट हेतु शहतूत उगाना

कृषि के अन्य प्रकार एवं प्रतिरूप :-

झूम कृषि *- पूर्वोत्तर क्षेत्र में, वनों को जलाकर की जाती है।*

गहन कृषि *- कृषि आगतों का अधिक उपयोग।*

विस्तृत कृषि *- बड़े भूखण्डों (जोतों) में की जाने वाली कृषि।*

बागानी कृषि *- पहाड़ी ढालों के सहारे बागानों की जाने वाली कृषि।*

जीवन-निर्वाह कृषि *- जीवन-यापन के उद्देश्य से।*

मिश्रित कृषि *- कृषि के साथ पशुपालन।*

सतत कृषि *- पारिस्थितिकी के सिद्धान्तों के अनुसार की जाने वाली कृषि*

मिश्रित कृषि *- दो-या-दो से अधिक फसलों को एक साथ एक ही खेत में उगाना।*

अंतराफसलीकरण *- दो-या-दो से अधिक फसलों को एक साथ एक निश्चित पैटर्न पर उगाना।*

फसल चक्र *- परिपक्वता के आधार पर विभिन्न फसल सम्मिश्रण के लिए फसल चक्र।*

भारत की फसल ऋतुएँ -

भारत की भौतिक संरचना, जलवायुविक (Climatic) एवं मृदा सम्बन्धी विभिन्नताएँ ऐसी हैं, जो विभिन्न प्रकार की फसलों की कृषि को प्रोत्साहित करती हैं। देश के उत्तरी एवं आन्तरिक भागों में तीन प्रमुख फसल खरीफ, रबी व जायद के नाम से जानी जाती हैं।

I. खरीफ

ये वर्षा काल की फसलें हैं, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रारम्भ जून-जुलाई होना । के साथ बोई जाती है तथा सितम्बर-अक्टूबर तक काट ली जाती इसमें उष्णकटिबन्धीय फसलें शामिल है, जिसके अन्तर्गत चावल, ज्वार बाजरा, मक्का, जूट, मूंगफली, कपास, सन, तम्बाकू, मूंग, उड़द, लोबिया आदि की कृषि की जाती है।

2. रबी

ये फसल सामान्यतः अक्टूबर में बोई जाती हैं और मार्च में काट ली जाती है। इस समय का कम तापमान शीतोष्ण एवं उपोष्ण कटिबन्धीय फसलों के लिए सहायक होता है। इस ऋतु में सिंचाई की आवश्यकता ज्यादा पड़ती है। इसके अन्तर्गत शामिल प्रमुख फसलें- गेहूँ, जौ, चना, मटर, सरसों, राई आदि हैं।

3. जायद

जायद एक अल्पकालिक एवं ग्रीष्मकालीन फसल ऋतु है, जो रबी एवं खरीफ के मध्यवर्ती काल में अर्थात् अप्रैल में बोई जाती है और जून तक काट ली जाती है। इसमें सिंचाई की सहायता से सब्जियों तथा खरबूजा, ककड़ी, खीरा, करेला.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **प्रमुख बहु – उद्देशीय परियोजनाएँ :-**

बहु – उद्देशीय नदी घाटी परियोजना का उद्देश नये प्रबंधन का विकास कारण, जल विद्युत के उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना , बाढ़ वाले क्षेत्र पर नियंत्रण करना,तथा मछली पालन में विकास करना होगा /
देश की प्रमुख बहु- उद्देशीय नदी घाटी परियोजना कुछ इस प्रकार हैं-

परियोजना का नाम	नदी	लाभान्वित राज्य

भांगड़ा – नांगल	सतलज नदी	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान
नागार्जुन सागर	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश
चंबल	चंबल नदी	राजस्थान ,मध्य प्रदेश
हीरा कुंड बांध	महा नदी	ओडिशा
व्यास	व्यास नदी	राजस्थान पंजाब हरियाणा
दामोदर	दामोदर नदी	झारखण्ड, पश्चिम बंगाल
तवा	तवा नदी	मध्य प्रदेश
मालप्रभा	मालप्रभा नदी	कर्नाटक
नागपुर शक्तिग्रह	कोरडी नदी	महाराष्ट्र
काकड़ापारा	ताप्ती नदी	गुजरात
कोसी नदी	कोसी नदी	बिहार, नेपाल
तुंगभद्रा	तुंगभद्रा नदी	आंध्र प्रदेश,कर्नाटक
मयुरक्षी	मयुरक्षी नदी	पं. बंगाल
फरक्का	गंगा नदी	पं . बंगाल
गंडक	गंडक नदी	बिहार नेपाल
कुंडा	कुंडा नदी	तमिलनाडु
कोयना	कोयना नदी	महाराष्ट्र
टिहरी	भागीरथी नदी	उतराखंड
माताटीला	बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश
भीमा परियोजना	पवना नदी	महाराष्ट्र

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

शारदा	गोमती , शारदा नदी	उत्तर प्रदेश
नाथपा –झाकरी	सतलज नदी	हिमाचल प्रदेश
कोल डैम	सतलज नदी	हिमाचल प्रदेश
शरावती	शरावती नदी	कर्नाटक
इंदिरा गाँधी	सतलज नदी	पंजाब,हरियाणा, राजस्थान
उकाई	ताप्ती नदी	गुजरात
पंचेत बांध	दामोदर नदी	झारखण्ड , पं. बंगाल
पूर्णा	पूर्णा नदी	महाराष्ट्र
गिरना	गिरना नदी	महाराष्ट्र
हंस देव बांगो	हंसदेव नदी	मध्य प्रदेश
सतलज	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
भद्रा	भद्रा नदी	कर्नाटक
ऊपरी कृष्णा	कृष्णा नदी	कर्नाटक
इडूक्की	पेरियार नदी	केरल
रिहंद	रिहंद नदी	उत्तर प्रदेश
दुर्गा बैराज	दामोदर नदी	झारखण्ड, पं. बंगाल
बरगी	बरगी नदी	मध्य प्रदेश
हिडकल	घटप्रभा नदी	कर्नाटक
जायक वाड़ी	गोदावेरी नदी	महाराष्ट्र
रंजीत सागर बांध	रावी नदी	पंजाब
कांगसावती	कांगसावती नदी	पं. बंगाल

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 9

भारतीय उद्योग

भारत प्राचीन काल से ही कुटीर उद्योग, शिल्पों तथा वाणिज्य के लिए प्रसिद्ध था । भारतीय मलमल, सूती एवं रेशमी वस्त्र, कलात्मक वस्तुओं की विश्व में बहुत मांग थी । किन्तु इंग्लैण्ड़ में हुई औद्योगिक क्रांति ने भारत के परम्परागत हस्त शिल्प उद्योग को बुरी तरह से प्रभावित किया । स्वतंत्रता के बाद देश की पहली औद्योगिक नीति की घोषणा 6 अप्रेल 1948 को तत्कालीन केन्द्रीय उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के द्वारा की गई । इसके साथ ही भारत में मिश्रित एवं नियंत्रित अर्थव्यवस्था की नींव रखी गई ।

I. स्वतंत्रता से पूर्व भारत में स्थापित उद्योग-

- लौह इस्पात उद्योगः- 1874 में कुल्टी (प. बंगाल) में पहला व्यवस्थित लौह इस्पात केन्द्र स्थापित किया गया ।
- एल्युमिनियम उद्योगः- 1837 में जे.के. नगर (प. बंगाल) में पहला एल्युमिनियम उद्योग स्थापित किया गया ।
- सीमेन्ट उद्योगः- सीमेन्ट उद्योग का पहला कारखाना 1904 में चेन्नई में लगाया ।
- रसायनिक उद्योगः- भारत में रसायनिक उद्योग की शुरुआत 1906 में रानीपेट (तमिलनाडु) में सुपर फास्फेट के यंत्र के साथ हुई ।
- जहाजरानी उद्योगः- 1941 में विशाखापटनम में पहला जहाजरानी उद्योग लगाया गया जिसका नाम हिन्दुस्तान शिपयार्ड था ।
- सुती वस्त्र उद्योगः- 1818 में कोलकता में प्रथम सुती वस्त्र मील की स्थापना की गई जो असफल रही । 1854 में मुंबई में प्रथम सफल सुती वस्त्र मील की स्थापना डाबर ने की ।
- जूट उद्योगः- जूट उद्योग की स्थापना 1955 में रिसदा (कोलकाता) में की गई ।

FREE SAMPLE

- ऊनी वस्त्र उद्योगः- भारत में पहली ऊनी वस्त्र मील की स्थापना 1876 में कानपुर में की गई ।

नई औद्योगिक नीति, 1991

- 24 जुलाई 1991 में घोषित इस नीति के तहत औद्योगिक क्षेत्र में उदारीकरण, नीजीकरण व भूमंडलीकरण का नारा दिया गया ।
- इस नीति के तहत औद्योगिक व वित्तीय पुनर्निमाण बोर्ड (BLFR) का गठन किया गया ।
- सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका में कटौती करते हुए शेयरों को खुले बाजार में जारी किया गया ।
- नई विनिर्माण नीति, 2011
- 4 नवंबर 2011 को नई विनिर्माण नीति की घोषणा की गई । इसका उद्देश्य GDP में विनिर्माण की हिस्सेदारी को 25 प्रतिशत तक करना तथा रोजगार के क्षेत्र में 10 करोड़ से भी अधिक रोजगारों का सृजित करना था ।

वर्ष 1951-52 में GDP में औद्योगिक क्षेत्र का भाग 16.6 प्रतिशत था जो कि वर्ष 2016-17 में बढ़कर 29.02 प्रतिशत हो गया तथा वर्तमान में यह लगभग 31 प्रतिशत हैं ।

भारत के प्रमुख विनिर्माण उद्योग

लौह इस्पात उद्योगः-

- वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन 2018 की रिपोर्ट के अनुसार लौह इस्पात उत्पादन में भारत चीन व अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर हैं ।
- 2003 के बाद से भारत स्पंज आयरन का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादनकता हैं ।
- फरवरी 2018 से भारत कच्चे इस्पात के उत्पादन में जापान को पीछे छोड़कर दूसरे पायदान पर आ गया हैं ।

- इस उद्योग में कच्चे माल के रूप में लौह अयस्क, मैंग्नीज, चूना पत्थर, कुकिंग कोयला एवं डोलामाइट का प्रयोग किया जाता हैं ।
- 1907 में साकची, झारखण्ड़ में जमशेद टी टाटा द्वारा लौह इस्पात उद्योग टाटा आयरन व स्टील कम्पनी (TLSCO) की स्थापना की गई । इसे भारत में आधुनिक लौह इस्पात की शुरूआत माना जाता हैं ।
- भारत में पहली बार 1874 में कुल्टी, पं.बंगाल में 'बंगाल आयरन वर्क्स' की स्थापना हुई, जो अब बंगाल लोहा व इस्पात उद्योग में बदल गया हैं ।
- 1907 में जमशेदपुर में TISCO भारत में स्थापित पहली नीजी क्षेत्र की लौह इस्पात उद्योग की इकाई बनी ।

दूसरी पंचवर्षीय योजना में लगाए गए कारखाने -

- राउरकेला (उड़ीसा):- जर्मनी के सहयोग से स्थापित (1955 में स्थापना, 1959 से उत्पादन शुरू)
- भिलाई (छत्तीसगढ़):- रूस के सहयोग से स्थापित (1955 में स्थापना, 1959 से उत्पादन शुरू)
- दुर्गापुर (प. बंगाल):- ब्रिटेन के सहयोग से स्थापित (1959 में स्थापना, 1962 से उत्पादन शुरू)

नोटः- तीसरी पंचवर्षीय योजना में रूस की सहायता से 1966 में बंकारों (झारखण्ड़) में लौह इस्पात कारखाने की स्थापना की गई ।

1974 में सरकार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAIL) की स्थापना की तथा इसे इस्पात उद्योग के विकास की जिम्मेदारी दी गई । 'सेल' के अधीन एकीकृत इस्पात संयत्रों की संख्या अब आठ (भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला, बोकारो, इस्को, विश्वेश्वरैया, विशाखापतनम एवं सलेम) हो गई हैं ।

सीमेंट उद्योगः-

- वर्तमान में भारत सीमेन्ट उत्पादन मे चीन के बाद विश्व में दूसरा स्थान रखता हैं ।
- देश में आधुनिक सीमेंट बनाने का कारखाना 1904 में चैन्नई में शुरू हुआ ।

FREE SAMPLE

- यह एक भारहासी उद्योग है जिसमें एक टन उत्पादन के लिए 2.02 टन कच्चे माल की आवश्यकता होती है, जिसमें 1.6 टन केवल चूना पत्थर होता है ।
- इसके अपशिष्ट पदार्थ स्लैग कहलाते हैं ।
- मध्य प्रदेश में चूना पत्थर के सर्वाधिक संचित भण्डार होने कारण इस उद्योग का सर्वाधिक विकास मध्य प्रदेश में हुआ है ।
- सीमेन्ट उद्योग के सर्वाधिक कारखाने आन्ध्रप्रदेश में हैं ।

रासायनिक उर्वरक उद्योगः-

- हरित क्रांति को सफल बनाने में सबसे महत्त्वपूर्ण योगदान इसी उद्योग का रहा ।
- भारत नाइट्रोजन उत्पादकों का दूसरा सबसे बडा तथा फास्फेट उर्वरकों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक हैं
- भारत में पोटाश उर्वरकों का उत्पादन नहीं होता हैं ।
- रसायनिक उर्वरकों के अन्तर्गत तीन प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन होता हैं -
  - नाइट्रोजन, फास्फेटिक व पोटश उर्वरक
  - भारत की जलोढ़ मृदा में नाइट्रोजन की कमी के कारण यहां नाइट्रोजन उर्वरक की मांग व उत्पादन अधिक होता हैं ।
  - भारत में मुख्यतः 2 प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन किया जाता हैं -
    (1)नाइट्रोजन आधारित उर्वरक(2)फोस्फोरस आधारित उर्वरक भारत का पहला उर्वरक कारखाना 1906 में रानीपेट (तमिलनाडु) में स्थापित किया गया ।
  - 1961 में भारतीय उर्वरक निगम की स्थापना की गई ।

  प्रमुख रसायनिक उर्वरक कम्पनियां -
  - फर्टीलाइजर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि.(FCI)- सिंदरी, गोरखपुर, तालचेट व रामागुण्डम
  - राष्ट्रीय केमिकल्स व फर्टीलाइजर्स लि.(RCF) ट्रांबे व थाल (महाराष्ट्र)
  - इंडियन फामर्स फर्टिलाईजर कॉपरेटिव लि.(IFFCO) कलोल व कांड़ला (गुजरात), फूलपुर व आवंला (उत्तर प्रदेश)
  - कृषक भारती कॉपरेटिव लि. (कृभको) - हजीरा

FREE SAMPLE

पेट्रो रसायन उद्योगः-

- इसे चार भागों में विभाजित किया सकता हैं -;

  (1)पॉलीमर/प्लास्टिक

  (2)कृत्रिम रेशा/सिंथेटिक रेशा

  (3)औषधि निर्माण / कीटनाशक निर्माण/रंगने के पदार्थ / कृत्रिम डिटर्जेंट निर्माण

  (4)पटाखा उद्योग

- देश में सर्वाधिक पेट्रो रसायन का उत्पादन गुजरात में होता हैं ।
- यह उद्योग भारत में नवीन हैं ।

- इसका पहला संयंत्र निजी क्षेत्र में युनियन कार्बाइड़ इंड़िया लिमिटेड़ द्वारा 1966 में ट्राम्बे में स्थापित किया गया ।
- भारत में सार्वजनिक क्षेत्र में प्रथम कारखाना इंडियन पेट्रोकेमिकल्स लि., बडोदरा में 1969 में स्थापित किया गया ।

सूती वस्त्र उद्योगः-

- यह भारत का सबसे प्राचीन व संगठित उद्योग हैं ।
- यह भारत का सबसे बड़ा उद्योग हैं जो रेलवे के बाद सबसे ज्यादा रोजगार देता हैं ।
- औद्योगिक उत्पादन में इसका योगदान 15 प्रतिशत हैं ।

भारतीय पूंजी से.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ हैं यह एक सैंपल मात्र हैं / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी हैं जो आपको **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण

विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• विविध

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2021

जनवरी	समारोह की तिथि
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
मार्च	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

ऑर्डनेंस फैक्ट्री डे	18 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
शहीद दिवस	23 मार्च and 30 जनवरी
अप्रैल	**समारोह की तिथि**
विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
जलियांवाला बाग नरसंहार	13 अप्रैल
अम्बेडकर जयंती	14 अप्रैल
विश्व पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
विश्व पुस्तक दिवस	23 अप्रैल
मई	**समारोह की तिथि**
अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस	1 मई
विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस	3 मई
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	11 मई
मातृ दिवस	09 मई
अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस	15 मई
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	31 मई
जून	**समारोह की तिथि**
विश्व दुग्ध दिवस	1 जून
विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून

FREE SAMPLE

विश्व रक्त दाता दिवस	14 जून
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून
दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ़ अंतर्राष्ट्रीय दिवस	26 जून
जुलाई	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस	1 जुलाई
विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
अगस्त	**समारोह की तिथि**
अंगदान दिवस	13 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी दिवस	19 अगस्त
सद्भावना दिवस	20 अगस्त
अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस	21 अगस्त
राष्ट्रीय खेल दिवस	29 अगस्त
सितंबर	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह	1-7 सितंबर
शिक्षक दिवस	5 सितंबर
अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	8 सितंबर
हिन्दी दिवस	14 सितंबर
विश्व ओज़ोन दिवस	16 सितंबर

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

विश्व पर्यटन दिवस	27 सितंबर
अक्टूबर	**समारोह की तिथि**
राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	1 अक्टूबर
छुआछूत विरोधी सप्ताह	2 अक्टूबर
गांधी जयंती	2 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय पशु दिवस	4 अक्टूबर
अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि दिवस	14 अक्टूबर (2nd गुरुवार)
प्राकृतिक आपदा निवारण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस	13 अक्टूबर
विश्व विद्यार्थी दिवस	15 अक्टूबर
विश्व खाद्य दिवस	16 अक्टूबर
विश्व बचत दिवस	31 अक्टूबर
नवंबर	**समारोह की तिथि**
विश्व सुनामी जागरूकता दिवस	5 नवंबर
बाल अधिकार दिवस	20 नवंबर
बाल दिवस	14 नवंबर
राष्ट्रीय एकता दिवस	19 नवंबर
विश्व शौचालय दिवस	19 नवंबर
कौमी एकता सप्ताह	19-25 नवंबर
विश्व धरोहर सप्ताह	19-25 नवंबर

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अंतर्राष्ट्रीय मांसहीन दिवस	25 नवंबर
संविधान दिवस	26 नवंबर
दिसंबर	**समारोह की तिथि**
विश्व एड्स दिवस	1 दिसंबर
राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस	2 दिसंबर
विश्व विकलांग दिवस	3 दिसंबर
डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस	6 दिसंबर
अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह	8-14 दिसंबर
मानव अधिकार दिवस	10 दिसंबर
राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसंबर
अल्पसंख्यको का अधिकार दिवस	18 दिसंबर
राष्ट्रीय गणित दिवस	22 दिसंबर
राष्ट्रीय किसान दिवस	23 दिसंबर
सुशासन दिवस	25 दिसंबर

पुस्तक एवं लेखक

क्र.स.	पुस्तक	लेखक
1.	रामायण	वाल्मीकि
2.	महाभारत	वेदव्यास
3.	अष्टाध्यायी	पाणिनी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

4.	अर्थशास्त्र	कौटिल्य
5.	बुद्धचरित	अश्वघोष
6.	सौन्दरानन्द	अश्वघोष
7.	मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
8.	देवीचन्द्रगुप्तम्	विशाखदत्त
9.	महाभाष्य	पतंजलि
10.	ऋतुसंहार	कालिदास
11.	रघुवंशम्	कालिदास
12.	राजतरंगिणी	कल्हण
13.	विक्रमांकदेव चरित	विल्हण
14.	विक्रमोर्वशीयम्	कालिदास
15.	कुमारसम्भवम्	कालिदास
16.	मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
17.	अभिज्ञानशाकुत्तलम	कालिदास
18.	स्वप्नवासवदत्ता	भास
19.	हर्षचरित	बाणभट्ट
20.	रत्नावली	हर्षवर्धन
21.	कादम्बरी	बाणभट्ट
22.	प्रियदर्शिका	हर्षवर्धन
23.	नागानन्द	हर्षवर्धन
24.	मृच्छकटीकम	शूद्रक
25.	पृथ्वीराज रासो	चन्द्रबरदाई
26.	कर्पूरमंजरी	राजशेखर
27.	इण्डिका	मेगास्थनीज
28.	पंचतंत्र	विष्णु शर्मा

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

29.	प्रबंध कोष	राजशेखर
30.	रसमाला	सोमेश्वर
31.	किरातार्जुनीयम	भवभूति
32.	न्याय भाष्य	वात्स्यायन
33.	कामसूत्र	वात्स्यायन
34.	मालती माधव	भवभूति
35.	कीर्ति कौमुदी	सोमेश्वर
36.	उत्तर रामचरित	भवभूति
37.	कोकशास्त्र	कोका पंडित
38.	नीतिसार	कमण्डक
39.	काव्य मीमांसा	राजशेखर
40.	न्याय मंजरी	जयन्त
41.	श्रृंगार शतक	भर्तृहरि
42.	काव्य प्रकाश	मम्मट
43.	रसरत्नाकर	नागार्जुन
44.	अमरकोष	अमर सिंह
45.	शिशुपाल वध	माघ
46.	चरक सहिंता	चरक
47.	सतसई	हाला
48.	नाट्यशास्त्र	भरत
49.	मिलिन्दपन्हो	नागसेन
50.	मिताक्षरा	विज्ञानेश्वर
51.	सूर्य सिद्धांत	आर्यभट्ट
52.	सुश्रुत सहिंता	सुश्रुत
53.	माध्यमिका सूत्र	नागार्जुन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

54.	गीत संग्रह	यमुनाचार्य
55.	इलाहाबाद स्तम्भ प्रशस्ति	हरिषेण
56.	अग्नि परीक्षा	आचार्य तुलसी
57.	आदि ग्रंथ	गुरु अर्जुनदेव
58.	भोर का तारा	जगदीश चन्द्र माथुर
59.	मुक्ति बोध	जैनेद्र

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा	
सबसे ऊँचा टी० वी० टॉवर	पीतमपुरा (नई दिल्ली)
सबसे ऊँचा हवाई पत्तन	लेह (लद्दाख)
सबसे लम्बी नदी (भारत में बहने के अनुसार)	गंगा नदी
सबसे लम्बी यात्रा वाली ट्रेन (विद्युत)	राजधानी एक्सप्रेस दिल्ली से कोलकाता
सबसे लम्बी नहर	इंदिरा गाँधी नहर राजस्थान
"सबसे ऊँचा पर्वत शिखर -	गोडविन आस्टिन K-2
सबसे ऊँचा झरना	कुंचीकल (५५५ मी), कर्नाटक
सबसे ऊँचा दरवाजा	बुलन्द दरवाजा, फतेहपुर सीकरी (आगरा)
सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार, दिल्ली

FREE SAMPLE

सबसे ऊँचा बाँध	भाखड़ा बाँध (सतलज नदी पर)
सबसे ऊँची मूर्ति	देवताल झील (गढ़वाल)
पर ऊँची झील	ऋषभ देव की मूर्ति (खरगोन, मध्य प्रदेश)
सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफॉर्म	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
सबसे लम्बा रेल मार्ग	जम्मू से कन्याकुमारी तक
सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग	7 (वाराणसी से कन्याकुमारी)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात
सबसे लम्बी सहायक नदी	यमुना नदी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति -

सम्मानित व्यक्ति	वर्ष
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. चन्द्रशेखर वेंकट रमन	1954
डॉ. भगवान दास, डॉ. मोक्षागुण्डम विश्वेश्वरैया, 'पण्डित जवाहरलाल नेहरू	1955
'पण्डित गोविन्द बललभ पन्त	1957
डॉ.घोण्डो केशव कर्वे	1958
डॉ. विधान चन्द्र राय, पुरुषोत्तमदास ठण्डन	1961
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	1962
डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. , पाण्डुरंग वामन काणे	1963
लाल बहादुर शास्त्री (मरणोपरान्त)	1966
इन्दिरा गाँधी	1971

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

*राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

*इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE

- **विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय-**

क्रमांक	विश्व के प्रमुख संगठन	मुख्यालय
1.	अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी)IAEA)	वियना, ऑस्ट्रिया
2.	अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष)IMF)	वाशिंगटन डी.सी ., अमेरिका
3.	अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय	हेग, नीदरलैंड
4.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन)ILO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
5.	आर्थिक सहयोग और विकास संगठन)OECD)	पेरिस, फ्रांस
6.	अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति)IOC)	लुसाने, स्विट्जरलैंड
7.	अफ्रीकी आर्थिक आयोग)ECA)	आदिस – अबाबा, इथोपिया
8.	अफ्रीकी एकता संगठन)OAU)	आदिस – अबाबा, इथोपिया
9.	अरब लीग	काहिरा, मिस्र
10.	अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन)ISA)	हरियाणा, भारत
11.	उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) नाटो /NATO)	ब्रुसेल्स, बेल्जियम
12.	दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ)ASEAN)	जकार्ता, इंडोनेशिया
13.	यूरोपियन परमाणु ऊर्जा समुदाय)EURATON)	ब्रुसेल्स, बेल्जियम
14.	यूरोपीय आर्थिक समुदाय)EEC)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
15.	यूरोपियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाईजेशन)ESRO)	पेरिस, फ्रांस
16.	यूनेस्को)UNESCO)	पेरिस, फ्रांस
17.	यूनिसेफ)UNICEF)	न्यूयॉर्क, अमेरिका

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

समय – सामायिक विषय (करंट अफेयर्स)

- **राज्य से सम्बंधित -**

असम

राज्य का छठा राष्ट्रीय उद्यान घोषित

असम के मुख्यमन्त्री हिमन्त बिस्वा सरमा ने 6 जून, 2021 को जानकारी दी कि, कोकराझार जिलें में रायमोना आरक्षित वन को असम के छठे राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अपग्रेड किया गया है।

यह वन क्षेत्र भूटान की सीमा के पार बोडोलैण्ड प्रादेशिक क्षेत्र (BTR) के अन्तर्गत आता है।

असम में पाँच राष्ट्रीय उद्यान हैं - काजीरंगा

राष्ट्रीय उद्यान, मानस राष्ट्रीय उद्यान, नामेरी राष्ट्रीय उद्यान, ओरंग राष्ट्रीय उद्यान और डिब्रू - सैंखोवा राष्ट्रीय उद्यान /

छत्तीसगढ़

विश्व बैंक के साथ CHIRAAG प्रोजेक्ट के लिए समझौता

भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ के साथ संयुक्त रूप से CHIRAAG (CHHATTISGARH INCLUSIVE RURAL & ACCELERATED AGRICULTURE GROWTH)

परियोजना के लिए विश्व बैंक के साथ $ 100 मिलियन के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

CHIRAAG परियोजना का लक्ष्य छत्तीसगढ़ में स्थायी उत्पादन प्रणाली विकसित करना है, जो राज्य के दूर - दराज के क्षेत्रों में आदिवासी परिवारों को विविध और पौष्टिक भोजन वर्ष – दर - वर्ष उत्पादन करने की अनुमति देगा।

यह परियोजना राज्य के दक्षिणी आदिवासी

बहुल क्षेत्र में लागू की जाएगी, जहाँ एक बड़ी आबादी कुपोषित और गरीब है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दिल्ली सरकार द्वारा अपने शिक्षा

बोर्ड की स्थापना की घोषणा

मुख्यमन्त्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व
वाली दिल्ली सरकार ने 16 मार्च, 2021 को
दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (DBSE) के गठन और पंजीकरण की घोषणा को। बोर्ड के पास एक शासी निकाय होगा, जिसकी अध्यक्षता शिक्षा मन्त्री करेंगे और इसमें एक कार्यकारी निकाय भी दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए होगा और इसकी अध्यक्षता एक CEO करेगा। दोनों निकायों में पेशेवर उद्योगों, शिक्षा क्षेत्र, सरकारी और निजी स्कूलों के प्राचार्यों और नौकर शाहों के विशेषज्ञ होंगे।

कोलकाता में बच्चों के लिए बोट

लाइब्रेरी की शुरुआत

पश्चिम बंगाल परिवहन निगम ने 26 जनवरी, 2021 को हेरिटेज बुक स्टोर के सहयोग से बच्चों की पहली बोट लाइब्रेरी शुरू.....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में ***से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)***
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं ***(कट ऑफ से ज्यादा)***

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

- ***प्रधानमंत्री मोदी की बांग्लादेश यात्रा -***

नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश के राष्ट्रपिता 'शेख मुजीबुर्रहमान की जन्म शताब्दी और बांग्लादेश की मुक्ति के 50 वर्ष के युद्ध की शताब्दी मनाने के लिए समारोह में भाग लेने के लिए 26 – 27 मार्च, 2021 को बांग्लादेश की यात्रा किया | यह covid -19 महामारी के प्रकोप के बाद मोदी की पहली विदेश यात्रा थी। उन्होंने शेख मुजीबुर्रहमान (बांग्लादेश के राष्ट्रपिता) को मरणोपरान्त गाँधी शान्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ, प्रधानमन्त्री मोदी ने संयुक्त रूप से बंगबन्धु - बापू प्रदर्शनी उद्घाटन किया । उन्होंने बांग्लादेश के उद्यमियों को भारत आने का निमंत्रण दिया और बांग्लादेश के युवाओं के स्वर्ण जयन्ती छात्रवृत्ति की घोषणा की। मोदी ने शेख हसीना को भारत द्वारा उपहार में दी गई 109 एम्बुलेन्सों के लिए एक प्रतीकात्मक चाबी सौंपी, और covid – 19 टीकों की 1.2 मिलियन खुराक का भी अनुदान के रूप में दान किया /

शहीद भगत सिंह स्मारक का उद्घाटन -

केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने 23 मार्च, 2021 को नई दिल्ली में शहीद भगत सिंह स्मारक का उद्घाटन किया। शहीद भगत सिंह, सुखदेव और शिवराम राजगुरु की शहादत के 90 वर्षों को श्रद्धांजलि देने के लिए शहीद दिवस' पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के अवसर पर उद्घाटन हुआ। भगत सिंह स्मारकमें स्वतन्त्रता सेनानियों पर किताबों के मौजूदा संग्रह को " शहीद स्मृति पुस्तकला' में परिवर्तित करने की घोषणा की गई है।

"कैच द रेन" अभियान की शुरुआत -

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व जल दिवस के अवसर पर 22 मार्च, 2021 को जल संरक्षण के लिए "जल शक्ति अभियान: कैच द रेन' की शुरुआत की।

"कैच द रेन' अभियान देश भर में 22 मार्च

से 30 नवम्बर तक (मानसून पूर्व और मानसून अवधि) लागू किया जाएगा।

इटली द्वारा isa संशोधित समझौता पर हस्ताक्षर -

यूरोपीय देश इटली ने 17 मार्च 2021 को भारत के साथ अंतर्राष्टीय सौर गठबंधन के संशोधित फ्रेमवर्क समझौता पर हस्ताक्षर किए /

isa फ्रेम वर्क समझौता के संशोधन संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों को isa समूह में शामिल होने की अनुमति देते है /

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण

FREE SAMPLE

विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **<u>सम्मेलन / बैठक</u>**

भारत – यूरोपीय बैठक संघ के नेताओं की बैठक –

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 मई, 2021 को
हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित भारत - यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक में भाग लिया।

यह पहली बार है जब यूरोपीय संघ ने ईयू + 27 प्रारूप में भारत के साथ बैठक की मेजबानी की / बैठक में नेताओं ने संतुलित और व्यापक मुक्त व्यापार और निवेश समझौतों के लिए वार्ता फिर से शुरू करने के लिए निर्णय लिया गया/

भारत-ब्रिटेन आभासी सम्मेलन -

प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने 4 मई, 2021 को अपने ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन के साथ 'एक आभासी शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

स्वास्थ्य और व्यापार सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सम्बन्धों के और मजबूत के उद्देश से आयोजित शिखर सम्मेलन केई दौरान यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री ने यूनाइटेड किंगडम – भारत व्यापार और निवेश के लिए यूरो । बिलियन की घोषणा किया । दोनों प्रधानमंत्री ने भारत – यूनाइटेड किंगडम संबंधो को व्यापक रणनीति साझेदारी तक बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी रोड मैप 2030 को अपनाया /

भारत – नीदरलैण्ड्स आभासी शिखर सम्मेलन -

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और नीदरलैण्ड्स के प्रधानमन्त्री मार्क रूट ने 9 अप्रैल, 2021 को एक आभासी शिखर सम्मेलन आयोजित किया । आभासी शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने मौजूदा द्विपक्षीय सम्बन्धों की समीक्षा की और व्यापार व अर्थव्यवस्था, जल प्रबंधन कृषि क्षेत्र, स्मार्ट शहरों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी ,स्वास्थ्य देखभाल और अन्तरिक्ष में सम्बन्ध और विस्तार और विविधता लाने पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया । इसके अलावा दोनों प्रधानमंत्रियों ने जल संबंधी क्षेत्र में भारत – डच सहयोग को और गहरा करने के लिए जल पर रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने और जल संयुक्त कार्य समूह को मंत्रिस्तरीय स्तर पर अपग्रेड करने पर भी सहमति व्यक्त की /

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "**रेलवे ग्रुप – D 2022**" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **नवम्बर करंट अफेयर्स –**

T – 20 WORLD CUP 2021

- *विजेता टीम ऑस्ट्रेलिया*
- *उपविजेता न्यूजीलैंड*
- *ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान एरोन फिंच*
- *न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियमसन*
- *T-20 पुरुष वर्ल्ड कप 2021 फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया।*

- T-20 पुरुष वर्ल्ड कप 2021 का आयोजन UAE और ओमान में किया गया।
- खेलों का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक किया गया।
- T20 वर्ल्ड कप 2021 में कुल 16 देशों की टीमों ने हिस्सा लिया और कुल 45 मैच खेले गए हैं।
- T-20 वर्ल्ड कप 2021 का फाइनल मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया।
- T-20 वर्ल्ड कप 2021 में 7वां संस्कार था।
- पहली बार T20 वर्ल्ड कप का आयोजन 2007 में किया गया था।
- 2007 में विजेता टीम भारत
- 2007 में उपविजेता टीम पाकिस्तान
- T-20 पुरुष वर्ल्ड कप 2022 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किए जाएंगे।
- T20 पुरुष वर्ल्ड कप 2021 में सबसे ज्यादा रन बनाए बाबर आजम (पाकिस्तान) कुल रन 303
- T20 पुरुष वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लिए वानिंद्र हसरंगा (श्रीलंका) 16 विकेट
- T20 पुरुष वर्ल्ड कप 2021 के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट- डेविड वॉर्नर (ऑस्ट्रेलि
- T20 वर्ल्ड कप 2021 में कुल 16 देशों की टीमों ने हिस्सा लिया और कुल 45 मैच खेले गए हैं।
- T-20 वर्ल्ड कप 2021 का फाइनल मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया।
- T-20 वर्ल्ड कप 2021 में 7वां संस्कार था।
- पहली बार T20 वर्ल्ड कप का आयोजन 2007 में किया गया था।
- T20 पुरुष वर्ल्ड कप 2021 में सबसे ज्यादा रन बनाएं- बाबर आजम (पाकिस्तान) कुल रन-303

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

T20 पुरष वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लिए.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"रेलवे ग्रुप – D 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे , धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

राजस्थान RAS Pre. परीक्षा 2021 में हमारे नोट्स में **से 73/74 प्रश्न आये (कट ऑफ 64 प्रश्न रही)**
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 79 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 23 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 103 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की पहली शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 96 प्रश्न आये
राजस्थान पटवारी परीक्षा 2021 में 24 अक्तूबर की दूसरी शिफ्ट में हमारे नोट्स में से 91 प्रश्न आये

इसी तरह राजस्थान S.I. , UP S.I., राजस्थान VDO की परीक्षाओं में भी कई प्रश्न आये हैं **(कट ऑफ से ज्यादा)**

Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

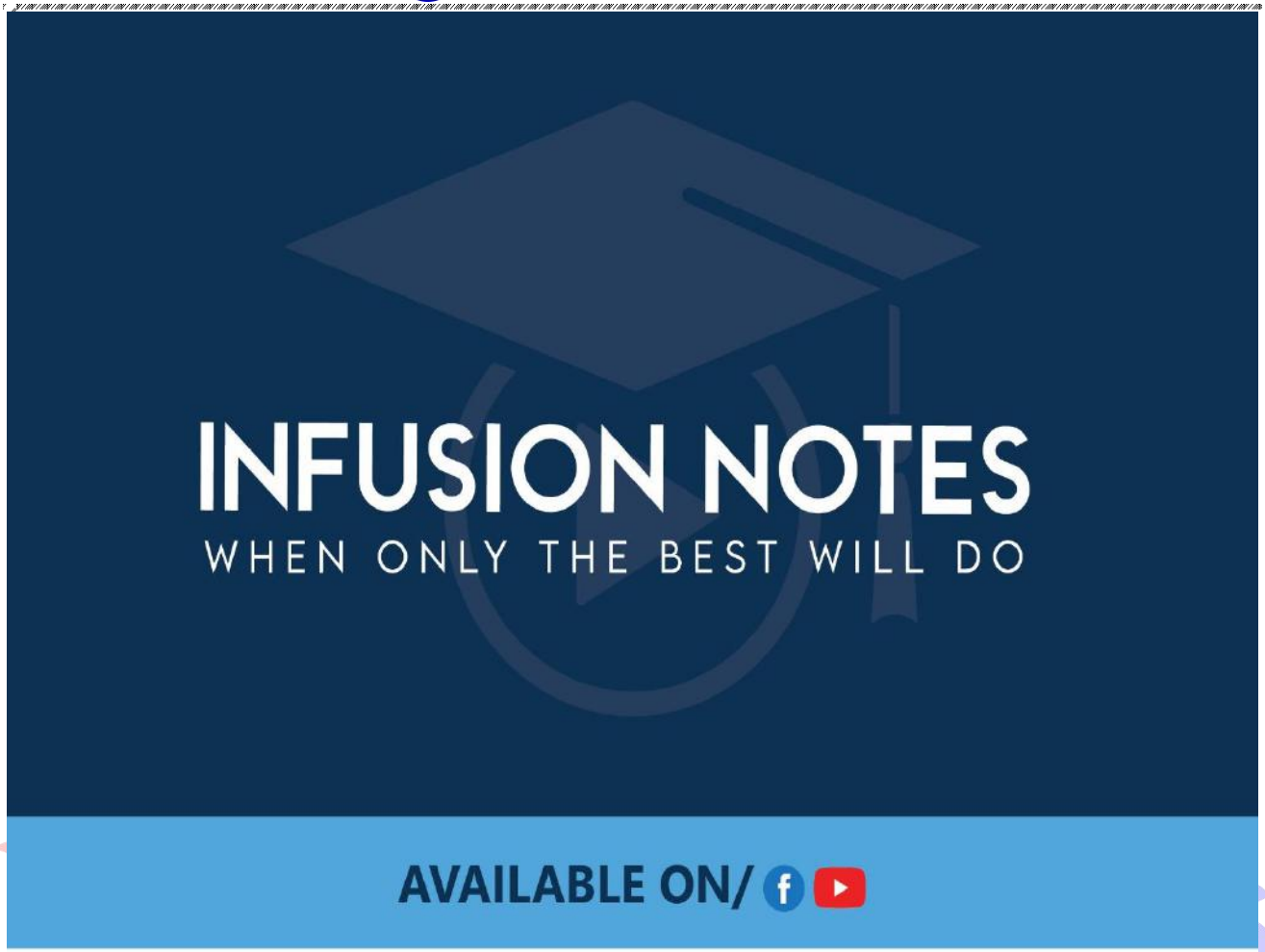

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/